●वर्ष : 16 ●अंक : 202 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित

बुधवार 13 नवम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

विमान में तकनीकी खराबी के कारण चिखली में होने वाली राहुल गांधी की रैली रद्द

बुलढाणा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के विमान में तकनीकी खराबी के कारण बुलढाणा जिले के चिखली में मंगलवार को होने वाली उनकी चुनावी रैली रद्द कर दी गई। राहुल गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार राहुल बोंद्रे के समर्थन में चिखली में दोपहर 12.30 बजे जनसभा को संबोधित करने वाले थे। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक वीडियो जारी कर रैली रद्द होने की वजह की जानकारी दी। उन्होंने कहा, मुझे आज चिखली आना था, लेकिन मेरे विमान में तकनीकी खराबी हो जाने से मैं यहां नहीं आ सका। इसके लिए मैं माफी चाहता हूं। मुझे एक जनसभा को संबोधित करना था और सोयाबीन उत्पादक किसानों से बातचीत करनी थी। सोयाबीन और कपास किसान बड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। गांधी ने कहा, मुझे पता है कि भाजपा सरकार सोयाबीन और कपास किसानों को उचित मूल्य नहीं देती है। जैसे ही विपक्षी गठबंधन इंडिया सत्ता में आएगा तो हम आपकी समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयास करेंगे। पार्टी सूत्रों ने कहा कि विमान में तकनीकी खराबी हो जाने के कारण गांधी का विमान उड़ान नहीं भर सका। कांग्रेस नेता आज गोंदिया जिले में एक रैली को संबोधित कर सकते हैं। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे जबकि तीन दिन बाद मतों की गिनती की जाएगी।

कांग्रेस की सोच ने किसानों को किया बदहाल

पीएम मोदी बोले- महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत

नूना न्यूज एजेंसी

महाराष्ट्र। के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत है जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य का विकास है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपको याद रखना चाहिए कि जिस वाहन पर एमवीए के लोग यात्रा कर रहे हैं वह सबसे अस्थिर है। वे आपस में लड़कर अपना समय बर्बाद करते हैं। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र की आस्था और संस्कृति में विश्वास करने वाली महायुति की सरकार काम करती है, तो कैसे कैसे परिणाम आते हैं, सोलापुर के लोगों ने ये देखा है। सोलापुर के लोग जिस विकास की मांग दशकों से कर रहे थे, जो प्रोजेक्ट्स दशकों से लटके थे, महायुति सरकार ने उन्हें पूरा करके दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश-विदेश से आने वाले लोगों को यहां हुए विकास कार्यों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। हमारे सोलापुर में पालकी यात्रा की बहुत प्राचीन परंपरा है, पहले यात्रियों को बहुत परेशानी होती थी। पालकी महामार्ग का निर्माण

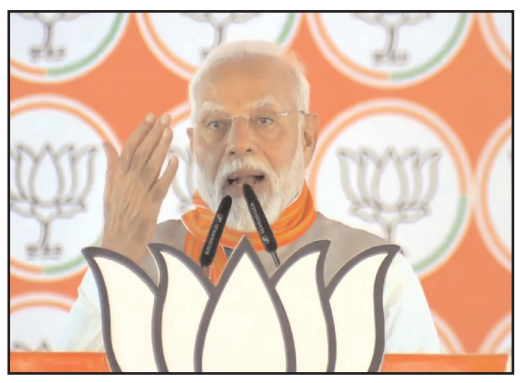

करवाकर इस परेशानी को हल करने का सौभाग्य भी हमें ही मिला है। उन्होंने कहा कि ये बदलाव केंद्र की भाजपा और महाराष्ट्र की महायुति सरकार के कामों से संभव हुआ है। आज हम विकसित महाराष्ट्र से विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को अगले 5 साल तक महायुति की ऐसी सरकार की जरूरत है, जो स्थिर हो, जिसका एकमात्र लक्ष्य महाराष्ट्र का विकास हो। स्थिर सरकार ही महाराष्ट्र के लिए दूरगामी नीतियां बना पाएगी। मोदी ने कहा कि आप सब देख रहे हैं कि अघाड़ी में कैसे भगदड़ मची हुई है। अभी से अघाड़ी में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान, नूराकुश्ती चल रही है। एक पार्टी पूरे दिन अपने नेता को मुख्यमंत्री बताने में लगी रहती है। दूसरी पार्टी और कांग्रेस वाले उनकी दावेदारी खारिज करने में लगे रहते हैं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि चुनाव से पहले जिनका ये हाल है, वो अघाड़ी वाले महाराष्ट्र को कभी भी स्थिर सरकार नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक देश पर राज किया है। लेकिन उनकी सोच थी - समस्याओं को बनाए रखना, लोगों को समस्याओं में उलझाए रखना। कांग्रेस की इसी सोच ने महाराष्ट्र के किसानों को बदहाल बनाए रखा। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार देश में गन्ना किसानों के लिए काम कर रही है। इथेनॉल इकोनॉमी के जरिए हम गन्ना किसानों के लिए कमाई के नए रास्ते बना रहे हैं। क्या मोदी के पीएम बनने के बाद आई इथेनॉल तकनीक? नहीं, यह पहले भी था लेकिन पिछली सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण बढ़कर 15% हो गया। लक्ष्य 20% के लक्ष्य तक पहुंचने का है। पिछले 10 वर्षों में हमने इथेनॉल खरीद के माध्यम से गन्ना किसानों को 80,000 करोड़ रुपये दिए हैं। मोदी ने कहा कि इस इलाके में सिंचाई के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आप लोगों को बहुत तरसाया है। हमने यहां किसानों की सिंचाई की समस्या को दूर करने पर फोकस किया। हमारे प्रयासों से सोलापुर जिले के कई गांवों का जलस्तर बढ़ रहा है। महायुति सरकार ने किसानों के बिजली के बिल माफ कर दिए। हमारी कोशिश है कि अब किसानों को बिजली का बिल भरना ही न पड़े। इसलिए हम हर खेत तक सोलर ऊर्जा पहुंचाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हम महिलाओं को जन-कल्याण की सभी योजनाओं के केंद्र में रखकर काम कर रहे हैं। आज पीएम आवास योजना के तहत बनने वाले घर महिलाओं के नाम पर बन रहे हैं। मुद्रा योजना की सबसे बड़ी लाभार्थी हमारी माताएं-बहनें हैं। हम 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने के मिशन में जुटे हैं।

मानो हमारा एहसान, वरना लाहौर नहीं लखनऊ तक होता पाकिस्तान

नूना न्यूज एजेंसी

दिल्ली। में वक्फ संशोधन बिल पर कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तान के नाम की धमकी दी गई और इस बात अफसोस भी जताया गया कि वो पाकिस्तान क्यों नहीं चले गए। मंच से पूर्व सांसद मोहम्मद अदीब 80 साल की उम्र में सरकार को ललकारते रहे और उन्हें किसी ने टोकने की जरूरत तक नहीं समझी। मोहम्मद अदीब ने कहा कि हमने तो देश के लिए अपना खून बांटा था। मुसलमानों ने जिन्ना को मना किया था। अगर हम जिन्ना की बात मान लेते तो लखनऊ तक पाकिस्तान होता। सरकार को हमारा एहसान मानना चाहिए। मोहम्मद अदीब कहते नजर आए कि आज हमारे लोगों पर जुल्म ज्यादती हो रही है। वो तो हमारा एहसान मानिए कि हम पाकिस्तान नहीं गए। उन्होंने कहा कि हमने तो जिन्ना को मना किया था, उन्हें ठुकराया था और अगर उस वक्त हम सब मुसलमान जिन्ना के साथ जाते। ये एहसान तो हमारा हुकूमत को मानना चाहिए कि तब पाकिस्तान लाहौर तक नहीं लखनऊ तक बनता। अदीब को इस बात का पछतावा है कि उन लोगों ने जिन्ना को क्यों ठुकरा दिया। अगर ऐसा नहीं करते तो आज पाकिस्तान लाहौर तक नहीं लखनऊ तक होता। पूर्व राज्यसभा सांसद मोहम्मद अदीब के इस विवादित बयान के बाद हर तरफ उनके बयान की ही चर्चा है. उन्होंने सभा में अपने भाषण में कहा कि मैं 80 साल की उम्र पूरी कर रहा हूं। मैं 50 वर्षों से अधिक समय से राजनीति में हूं। आज हम अपने क्षेत्र में अपराधी की तरह जी रहे हैं. अब तो हम भी गद्दार हो गए। उन्होंने कहा, जो लोग हमारे साथ थे वे हमें छोड़कर पाकिस्तान चले गए, इसके लिए हमें दोषी ठहराया गया।

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

योगी आदित्यनाथ सपा प्रमुख के खिलाफ ऐसे बुन रहे हैं सियासी जाल

भारतीय जनता पार्टी के नेता और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल समाजवादी पार्टी को हिंदुत्व के नाम पर तो घेर ही रहे हैं इसके अलावा अखिलेश राज में फैली अराजकता, जंगलराज, उनके कार्यकाल में हुए दंगों की भी याद जनता को दिला रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि अखिलेश को चौतरफा घेरने की तैयारी चल रही है हरियाणा वाला जादू यूपी में चल गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिये आगे की सियासी राह मुश्किल हो जायेगी। उप चुनाव में बीजेपी और योगी की यह रणनीति सफल रही तो इसका उप चुनाव में तो पार्टी को फायदा होगा ही 2027 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव के लिये भी इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। दरअसल, योगी और अन्य बीजेपी के नेता उप चुनाव को 2027 के चुनाव का रिहर्सल मानकर चल रहे हैं, उप चुनाव के नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो लोकसभा चुनाव से उत्साहित अखिलेश बैकफुट पर आ सकते हैं। उधर, बीजेपी का लोकसभा चुनाव के नतीजों का गम भी काफी कम हो जायेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर योगी अपनी रैलियों में लगातार सपा सरकार के समय के गुंडाराज, समाजवादी पार्टी के नेतृत्व व नेताओं की आपराधिक की परतें उधेड़ रहे हैं। वह अंबेडकरनगर की कटेहरी, मीरजापुर की मझवां और प्रयागराज की फूलपुर या अन्य विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में समाजवादी पार्टी को जहां अपराधी, दुष्कर्मी, माफिया का प्रोडक्शन हाउस बता रहे हैं, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसका सीईओ और पार्टी महासचिव शिवपाल यादव को ट्रेनर करार दे रहे हैं। सपा के पीडीए के नारे की अपने हिसाब से व्याख्या करते हुए योगी पीडीए का अर्थ है ह्याप्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधी बताते हैं। वह कहते हैं कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। इसी के साथ योगी बार-बार याद दिलाते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, इसलिए एकजुट रहिए।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त पर महत्वपूर्ण

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को जमानत

मुंबई। जेट एयरवेज के संस्थापक

नरेश गोयल को बॉम्बे उच्च न्यायालय ने सोमवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चिकित्सा आधार पर जमानत दे दी है। इससे पहले नरेश गोयल को उच्च न्यायालय ने कैंसर के इलाज के लिए दो महीने की अंतरिम चिकित्सा जमानत दी थी। नरेश गोयल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था, लेकिन नरेश गोयल घातक ट्यूमर से पीड़ित थे।

कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की न्यायिक रिमांड बढ़ी

रायपुर। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव की पेशी आज सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायकि मजस्ट्रिेट की अदालत में हुई। सुनवाई के उपरांत देवेंद्र यादव की 14 नवंबर तक रिमांड अवधि बढ़ा दी गई है। पुलिस ने बलौदाबाजार जिला न्यायालय से 14 नवंबर तक की रिमांड की मांग की थी, जिसे न्यायाधीश ने स्वीकार कर लिया है। अब विधायक यादव को 14 नवंबर को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा। विधायक देवेंद्र यादव की तरफ से हाईकोर्ट में भी जमानत याचिका लगी है, जिसपर 13 नवंबर को सुनवाई होनी है।

प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल के आरोपित और जेडीएस नेता प्रज्वल रेवन्ना को कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की अध्यक्षता वाली बेंच ने रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया। इसके पहले प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 21 अक्टूबर को खारिज कर दी थी।

सीआरपीएफ की बड़ी कार्रवाई

मणिपुर के जिरीबाम में मुठभेड़ 11 उग्रवादी ढेर, जवान घायल

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में सीआरपीएफ की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली है। जानकारी के मुताबिक, सीआरपीएफ ने जिरीबाम में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादियों को मार गिराया है। वहीं, इस मुठभेड़ में सीआरपीएफ के एक जवान के भी घायल होने की सूचना है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल तक एयरलिफ्ट किया गया है। सीआरपीएफ के सूत्रों के अनुसार, उग्रवादियों ने सीआरपीएफ की टीम पर हमला किया था, जिसके बाद ये मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ से पहले मणिपुर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह ने कहा कि वे राज्य में शांति और सामान्य स्थिति चाहते हैं। यह बहुत चुनौतीपूर्ण समय है और वे इसे सर्वोत्तम संभव ताकत के साथ निपटने की कोशिश कर रहे हैं।

सुरक्षा बलों की कार्रवाई लगातार जारी

पिछले साल मई से इंफाल घाटी में मैतेई और मणिपुर में समीपवर्ती पहाड़ी आधारित कुकी लोगों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों में पिछले तीन दिनों के भीतर तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने कई हथियार, गोला-बारूद और आईईडी जब्त किए हैं। असम राइफल्स ने सोमवार को एक बयान में कहा गया है कि शनिवार को असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के एल खोनोमफाई गांव से सटे जंगल और कांगपोकपी जिले के एस चौंगौबंग और माओहिंग के बीच संयुक्त टीम की तरफ से एक अन्य अभियान में बड़ी मात्रा में गोला-बारूद भी जब्त किया गया।

बंगाल, दिल्ली, आंध्र प्रदेश और मप्र से दबोचकर ठगों को लेकर पहुंची पुलिस

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 2.5 करोड़ की ठगी, चार राज्यों से पकड़े गये ठग

रायपुर

रायपुर रेंज साइबर पुलिस ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर तीन लोगों से ढाई करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने वाले चार शातिर ठगों को गिरफ्तार किया। यह ठगी विभिन्न राज्यों में हुई थी, और आरोपियों को बंगाल, दिल्ली, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में गिरफ्तार किया गया। रायपुर में इन चारों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पहला मामला: 88 लाख रुपये की ठगी: रेंज साइबर थाने में रश्मि नामक पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसे शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने का झांसा देकर 88 लाख रुपये की ठगी की गई थी। पुलिस ने जांच के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, चेन्नई, और कोलकाता से पांच आरोपियों को

पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। बाद में पुलिस टीम ने सुमन सिल (28) और देवराज कुशवाहा (40) को गिरफ्तार किया, जो पश्चिम बंगाल के 24 परगना और भोपाल, मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। आरोपियों ने ठगी के इन 88 लाख रुपये में से 84 लाख रुपये को विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया था। पुलिस ने इन खातों में रकम होल्ड कर दी है, और अब इन पैसों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

दूसरा मामला: 99 लाख रुपये की ठगी: दूसरे मामले में, पीड़ित अनिमेष तिवारी से ठगों ने 99 लाख रुपये की ठगी की। उन्होंने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने का झांसा देकर तिवारी से यह रकम प्राप्त की।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की घटना

छत्तीसगढ़ में हाथी के बच्चे ने खाया बम, हुआ घायल

गरियाबंद

छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में बम विस्फोट से एक हाथी का बच्चा घायल हो गया है। यह घटना उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में हुई। अधिकारियों ने बताया कि हाथियों के झुंड के घुमने वाले इलाके में खून के धब्बे मिले हैं। हमारी टीम जांच कर रही है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के निदेशक वरुण जैन ने कहा कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के पास के इलाके से हमें सूचना मिली कि हाथियों के झुंड के घूमने वाले इलाके में बड़ी मात्रा में खून के धब्बे देखे गए हैं। जब शिकार विरोधी टीम ने जांच की, तो हमने 6-7 किलोमीटर तक पैरों के निशान के लिए खून के धब्बों का पता लगाया। निदेशक वरुण जैन ने कहा कि ड्रोन विजुअल के माध्यम

से हमारे कर्मचारियों ने देखा कि एक हाथी का बच्चा जो 5 से 6 साल का है, घायल है, उसका जबड़ा सूजा हुआ है और उसके पैर में भी चोट है। हमें पोटेशियम बम का अवशेष भी मिला। हमने रायपुर से डॉक्टरों की टीम बुलाई है। डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया है।

आगे कहा कि हम शिकारियों की तलाश कर रहे हैं। हमने शिकारियों के बारे में कोई भी जानकारी देने वालों के लिए 10,000 रुपये का इनाम घोषित किया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज उज्जैन का दौरा करेंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मंगलवार को मध्यप्रदेश के उज्जैन और पंजाब के लुधियाना का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 12 नवंबर को उज्जैन के एक दिवसीय दौरे पर जाएंगे। अपने इस दौरे पर उपराष्ट्रपति बतौर मुख्य अतिथि उज्जैन स्थित कालिदास संस्कृत अकादमी में आयोजित अखिल भारतीय कालिदास समारोह के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे।

मानहानि मामले में केंद्रीय मंत्री चौहान को फौरी राहत

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने आपराधिक मानहानि के मामले में मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को फौरी राहत दी है। जस्टिस हृषिकेश राय की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमानती वारंट पर रोक लगाने की चौहान की याचिका पर कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा को नोटिस जारी किया है। सर्वोच्च न्यायालय ने शिवराज सिंह को निर्देश दिया कि वो ट्रायल में लगातार पेश हों।

धमकी भरा वीडियो संदेश भेजा, मामला दर्ज

पाकिस्तान के शहजादा भट्टी ने दी अभिनेता मिथुन को जान से मारने की धमकी

एजेंसी, कोलकाता

भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध वरिष्ठ अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती को पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी मिली है। पाकिस्तान के शहजादा भट्टी नामक एक गैंगस्टर ने वीडियो संदेश के जरिए मिथुन को धमकी दी है। इस वीडियो में कहा गया है कि मिथुन के हालिया बयान से मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिसके बदले में उन्हें जान से मारने की चेतावनी दी गई है। वीडियो में मिथुन को 10-15 दिनों के अंदर माफी मांगने की समय सीमा दी गई है अन्यथा उनकी जान को खतरा बताया गया है। मिथुन हाल ही में, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान, उन्होंने तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर के उस विवादास्पद बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने हिंदू-मुस्लिम अनुपात की बात कही थी।

मिथुन के बयान पर भी मामले दर्ज

मिथुन के इस बयान के बाद कोलकाता के कई पुलिस थानों में उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई। बीते मंगलवार, जोड़ासांको और बउबाजार थाने में कुछ स्थानीय लोगों ने मिथुन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके अलावा, विधाननगर दक्षिण थाने में भी उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। इन सभी शिकायतों के बीच अब उन्हें पाकिस्तान से जान से मारने की धमकी मिली है। इससे पहले भी पिछले दो महीनों में अभिनेता सलमान खान और शाहरुख खान को जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं। इन धमकियों के पीछे कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया है।

प्रयागराज महाकुंभ होगा भव्य और दिव्य

बिजली चली जाए तो भी नहीं होगा अंधेरा, 40,000 से ज्यादा रिचार्जेबल लाइट्स से रोशन होगा मेला क्षेत्र

एजेंसी, प्रयागराज

इस बार महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता में रोशनी का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। शाम के समय मेला क्षेत्र की चमचमाती रोशनी गंगा और यमुना की कलकल बहती निर्मल धारा को और भी अलौकिक रूप प्रदान करेगी। इस अलौकिक दृश्य को श्रद्धालु बिना किसी बाधा के अपनी आंखों से निहार सकें, इसके लिए योगी सरकार इस बार अनूठी पहल करने जा रही है।

पहली बार पूरे मेला क्षेत्र को 24 गुणे 7 रोशन बनाए रखने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 40 हजार से अधिक रिचार्जेबल बल्ब का उपयोग किया जा रहा है। ये बल्ब खुद को रिचार्ज करते हैं और बिजली जाने पर भी रोशनी देते रहते हैं। इससे यदि किसी फॉल्ट या अन्य वजह से अचानक बिजली चली जाती है तो भी ये बल्ब कभी अंधेरा नहीं होने देते। महाकुंभ ही नहीं, उत्तर प्रदेश में पहली बार इस तरह की लाइट्स का उपयोग किसी बड़े आयोजन में होने जा रहा है।

बैकअप लाइट की भी व्यवस्था

उन्होंने बताया कि इसका लाभ ये होगा कि यदि किसी कैंप में 5-6 बल्ब लगे हैं और किसी कारण से लाइट चली गई तो एक रिचार्जेबल बल्ब भी जलता रहेगा तो जीरो लाइट या अंधेरे की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। उन्होंने बताया कि हमने बैकअप लाइट की भी व्यवस्था की है, जिसके लिए जेनसेट वगैरह का उपयोग व्यापक पैमाने पर होगा, जहां हम सप्लाई को एक से दो मिनट में रिस्टोर कर लेंगे। लेकिन इस एक से दो मिनट के बीच में भी हमारा प्रयास जीरो लाइट्स की स्थिति उत्पन्न नहीं होने देना है।

नहीं होगी जीरो लाइट की स्थिति

मेला क्षेत्र में विद्युत विभाग के प्रभारी अधिशासी अभियंता अनूप कुमार सिन्हा ने बताया कि जो विद्युत संयोजन हम लोग शिविरों में देंगे उसमें हमने इस बार नॉर्मल एलईडी बल्ब के साथ ही रिचार्जेबल बल्ब भी उपयोग में लाने का निर्णय लिया है। इस बार पूरे मेला क्षेत्र में हमें साढ़े चार लाख कनेक्शन देने हैं तो उसके 1/10 के आसपास यानी 40 से 45 हजार के बीच रिचार्जेबल बल्ब भी लगाए जाएंगे। रिचार्जेबल बल्ब में इनबिल्ट बैटरी होती है, जो लाइट चालू रहने पर चार्ज होती रहती है। बिजली जाने पर, ये बैटरी ही बल्ब को रोशन रखती है।

रास्तों में पड़े कूड़े के ढेर दिल्ली के लिए चिंताजनक : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, नवम्बर : आम आदमी पार्टी और भाजपा के कुशासन, भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ दिल्ली की जनता को न्याय दिलाने के लिए निकाली जा रही दिल्ली न्याय यात्रा के चौथे दिन आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने हैदरपुर गांव, शालीमार बाग विधानसभा में यात्रा की शुरू करने से पहले राष्ट्रीय ध्वज फहराया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि राजधानी में महंगाई और बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है जिस पर नियंत्रण करने में भाजपा और आम आदमी पार्टी पूरी तरह से विफल साबित हुई है। कांग्रेस न्याय यात्रा में दिल्ली वालों की परेशानियों को जनता के साथ मिलकर, चर्चा करके, उनके समर्थन से खत्म करने के लिए रास्ते बनाए जाएंगे। दिल्ली न्याय यात्रा के दौरान कार्यकर्ता दिल्ली की ललकार, चाहिए कांग्रेस की सरकार के नारे लगा रहे है। दिल्ली के लोग बदलाव चाहते है और 2025 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को नकार कर कांग्रेस की सरकार बनाने के लिए अग्रसर है। ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान दिल्ली कांग्रेस सेवादल की टीम प्रतिदिन पूरी सक्रियता से कांग्रेस की ऐतिहासिक परम्परा अनुसार नियमों के तहत दिल्ली न्याय यात्रा को सफल बनाने में अहम भूमिका निभा रहे है। आज की यात्रा का समापन माडल टाउन विधानसभा में गुजरांवाला टाउन में हुआ। यात्रा के दौरान रास्तें में पड़ने वाले मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा, चर्च सभी में प्रार्थना करके प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र यादव परेशान और प्रताड़ित दिल्ली वालां की खुशहाली, समृद्धि और विकास की कामना भी कर रहे है। यात्रा के दौरान जगह-जगह श्री देवेन्द्र यादव सहित यात्री योद्धाओं को भव्य स्वागत किया जा रहा है। सोमवार, 11 नवम्ब, चौथे दिन दिल्ली न्याय यात्रा शालीमार बाग विधानसभा के हैदरपुर गांव, से शुरू होते हुए शालीमार बाग गांव, संजय नगर, महेन्द्र पार्क चौक आदर्श नगर, मैन रोड़ जहांगीर पुरी, झील वाला पार्क, मैन रोड़ बादली, भलस्वा गांव, जे ब्लाक रोड़, मंगल बाजार चौक, बीसी ब्लाक मार्केट, के ब्लाक लोहे वाला गेट, के ब्लाक गैस एजेंसी भलस्वा चौक, के ब्लाक आईटीआई झुग्गी, सी ब्लाक सब्जी मंडी, कुशल सिनेमा जहांगीर पुरी, सी ब्लाक आदर्श नगर, कुशल सिनेमा, मंगल बाजार चौक, शाह आलम बांध रोड़, जी टी रोड़, राज बाबू रोड़, नेहरु रोड़, मैन बाजार आर्य समाज रोड़, लेबर चौक, केवल पार्क आदर्श नगर, लाल बाग मस्जिद मॉडल टाउन, विजय सिनेमा स्टेडियम रोड़, पेंटामेंट अस्पताल होते हुए गुजरांवाला टाउन पर न्याय यात्रा का समापन हुआ।

दिल्ली मैट्रो : राजधानी की परिवहन क्रांति, लंबा नैटवर्क और जुड़ाव का विस्तार

नई दिल्ली, नवम्बर : देश की राजधानी दिल्ली की सबसे महत्वपूर्ण परिवहन प्रणाली है, जो न केवल शहर को जोड़ती है बल्कि लाखों यात्रियों की रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन गई है। 2002 में अपने पहले चरण की शुरुआत के साथ, दिल्ली मैट्रो ने पिछले दो दशकों में अत्यधिक प्रगति की है और आज यह भारत की सबसे विश्वसनीय और तेज सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में गिनी जाती है। वर्तमान में दिल्ली मैट्रो की नैटवर्क लंबाई 390 किलोमीटर से भी अधिक है और इसमें 12 परिचालन लाइनें शामिल हैं। यह दिल्ली के विभिन्न इलाकों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र जैसे गुड़गांव, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद से जोड़ती है। इसके माध्यम से लोग ट्रैफिक जाम और वायु प्रदूषण से बचते हुए आसानी से अपने गंतव्यों तक पहुँचते हैं। दिल्ली मैट्रो ने अपने अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं और सफाई मानकों के लिए प्रशंसा प्राप्त की है। ट्रेनें पूरी तरह से वातानुकूलित हैं और स्वचालित ट्रेन संचालन प्रणाली का उपयोग करती हैं।

इसमें यात्रा करना आसान और सुलभ है, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और महिलाओं के लिए। सुरक्षा के दृष्टिकोण से मैट्रो स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मी, और महिलाओं के लिए आरक्षित कोच की सुविधा भी दी गई है। दिल्ली मेट्रो की कार्ड प्रणाली (स्मार्ट कार्ड) और टोकन प्रणाली ने यात्रियों को टिकट की लंबी कतारों से बचने में मदद की है। कोड और मोबाइल पेमैंट सिस्टम जैसे डिजीटल साधनों ने भी इसे और आधुनिक बनाया है। मैट्रो सेवा न केवल दिल्लीवासियों के लिए बल्कि पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

एलआईसी का कर के बाद लाभ (पीएटी) में वृद्धि, एलआईसी की कुल बाजार हिस्सेदारी में बढ़ौतरी

नई दिल्ली, नवम्बर : भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने 30 सितंबर 2024 को समाप्त छमाही में कर के बाद लाभ (पीएटी) 18,082 करोड़ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 17,469 करोड़ था, यानी इसमें 3.51 फीसदी की वृद्धि हुई है। 30 सितंबर 2024 को समाप्त छमाही में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी 61.07 फीसदी रही, जो 30 सितंबर 2023 को समाप्त छमाही में 58.50 फीसदी थी। इसने भारतीय जीवन बीमा क्षेत्र में अपनी प्रमुख स्थिति को बनाए रखा। व्यक्तिगत व्यवसाय में एलआईसी की बाजार हिस्सेदारी 39.79 फीसदी और समूह व्यवसाय में 74.77 फीसदी रही। कुल प्रीमियम आय 2,33,671 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 2,05,760 करोड़ थी, यानी 13.56 फीसदी की वृद्धि हुई। व्यक्तिगत नए व्यवसाय प्रीमियम आय 29,538 करोड़ रही, जबकि 30 सितंबर 2023 को समाप्त छमाही के लिए यह 25,184 करोड़ थी, जो 17.29 फीसदी की वृद्धि को दशार्ती है। नवीनीकरण प्रीमियम आय 5.07 फीसदी की वृद्धि के साथ 1,15,158 करोड़ पर पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष यह 1,09,599 करोड़ थी। कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम आय 1,44,696 करोड़ रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1,34,783 करोड़ थी, इस प्रकार 7.35 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने रूट 605 बी, 623 और 610 ए पर बसों को हरी झंडी दिखाई

दिल्ली सरकार ने कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए नया बस रूट 605 बी लॉन्च किया, रूट 623 और 610 ए का किया विस्तार

नई दिल्ली, 12 नवंबर 2024 दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के विस्तार और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए, दिल्ली सरकार ने एक नया बस मार्ग 605बी शुरू किया है और मार्ग 623 और 610ए पर विस्तारित सेवाएं शुरू की हैं। परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत ने आज एक कार्यक्रम में बसों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर विधायक श्रीमती परमिला टोकस और श्री भूपिंदर सिंह जून भी उपस्थित थे। इन मार्गों पर कुल 26 बसें चलेंगी, जो प्रमुख स्थानों तक बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।

एक बयान में, परिवहन मंत्री श्री कैलाश गहलोत ने कहा, नए और विस्तारित मार्गों के द्वारा सभी दिल्लीवासियों को हम सुविधाजनक और सुलभ सार्वजनिक परिवहन सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नए मार्ग विशिष्ट कनेक्टिविटी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, जिससे छात्रों, एथलीटों और दैनिक यात्रियों के लिए यात्रा आसान हो जाएगी। हमारा लक्ष्य दिल्लीवासियों की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन नेटवर्क का विस्तार करना है।

>> नया बस रूट 605 बी

दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा संचालित नया लॉन्च किया गया रूट 605बी, सफदरजंग टर्मिनल को नांगल देवत से जोड़ेगा। इस रूट पर दो वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी जो 15 किमी की एक-तरफा दूरी तय करेंगी। यह मार्ग यात्रियों को सफदरजंग अस्पताल, आईएसआईसी अस्पताल, दिल्ली हाट-आईएनए मेट्रो स्टेशन, एम्स मेट्रो स्टेशन, ग्रीन पार्क मेट्रो स्टेशन के साथ-साथ यूसुफ सराय, अदचीनी गांव, एनसीईआरटी, जेएनयू सेक्टर - 13, गोयंका स्कूल जैसे महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंच प्रदान करेगा।

रूट 623 और 610 ए का विस्तार

शाहदरा टर्मिनल को नांगल देवत से जोड़ने के लिए रूट 623 का विस्तार किया गया है, जो पहले वसंत विहार में सीपीडब्ल्यूडी पर समाप्त होता था। इस विस्तारित मार्ग की लंबाई 33.7 किमी है। इस रूट पर 20 बसें तैनात की गई हैं, जिसमें 16 वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें, 3 वातानुकूलित सीएनजी बसें और 1 गैर-एसी सीएनजी बस शामिल हैं। मार्ग के प्रमुख स्थानों में

आईएसआईसी अस्पताल, एम्स, सफदरजंग अस्पताल और कई मेट्रो स्टेशन जैसे मुनिरका, एम्स, खान मार्केट, आईटीओ, प्रीत विहार और लक्ष्मी नगर शामिल हैं। यह मार्ग शाहदरा, इंडिया गेट, यूपीएससी और लोदी रोड जैसे प्रमुख स्थलों को भी कवर करता है।

श्री राहुल गांधी ने विशाल जनसभा को संबोधित किया

नई दिल्ली। करते हुए कहा - नाना पटोले जी, डॉ. प्रशांत पडोले जी, पंकज यादव जी, सौरभ रुकाटे जी, अमर वराडे जी, रमेश कोटे जी, कुशल बोपचे जी, हमारे कैंडिडेट गोपाल अग्रवाल जी, दिलीप बनसोड जी, रवि बोपचे जी, राजकुमार पुरम जी, स्टेज पर गठबंधन के वरिष्ठ नेता, भाईयो और बहनो, कांग्रेस पार्टी के और गठबंधन के हमारे प्यारे कार्यकर्ता, प्रेस के हमारे मित्रों, आप सबका यहाँ बहुत-बहुत स्वागत, नमस्कार। आपका मूड कैसा है (जनसभा ने कहा- ठीक है) मूड ठीक है। ये लव यू शब्द जो है, ये भारत जोड़ो यात्रा के बाद जब मैंने कहा कि नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है, तो ये तब से चला है और अजीब सी बात है, क्योंकि ये बहुत जरुरी शब्द है, इसका सब लोग प्रयोग करते हैं, मगर राजनीति में ये शब्द गायब था। राजनीति में सिर्फ नफरत, हिंसा, गुस्सा, ये चीजें फैलाई जा रही थी। तो इसलिए हमने सोचा कि देखिए कि अगर दूसरी साइड ने नफरत का ठेका ले रखा है, तो हम मोहब्बत का ठेका ले लेते हैं और उसमें फायदा भी है, क्योंकि, नफरत को आप जानते हो, भाई -भाई से लड़ता है, नफरत को नफरत नहीं काट सकती। सही बात है, गलत बात है (जनसभा ने कहा - सही बात है)? कोई आपसे नफरत करता है, आप उसे जाकर और नफरत करो, तो बात नहीं कटती, मगर कोई भी आपसे नफरत करे और आपने उसे मोहब्बत दिखा दी, नफरत कट जाती है, खत्म हो जाती है। ये कांग्रेस पार्टी की सोच है, महात्मा गांधी जी की सोच है, अंबेडकर जी, फुले जी, महाराष्ट्र में तो लिस्ट है। अभी मैंने शुरू कर दिया तो मतलब 10-15 मिनट तो नाम लेने में लग जाएंगे। ये आपके खून में है। जब भी यहाँ आता हूं, मैं आपको बताऊं, जब भी मैं यहाँ आता हूं, विदर्भ में, कहीं भी, जैसे ही मैं महाराष्ट्र में आता हूं, आपके चेहरों पर, आपके दिल में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा दिखती है। कहने की भी जरूरत नहीं होती है, समझाने की भी जरूरत नहीं होती, ये आपमें नेचुरल है, डीएनए है और ये नया नहीं है, ये हजारों साल से चल रहा है। ये हिंदुस्तान का संविधान है (संविधान की प्रति दिखाते हुए कहा)। मोदी जी कहते हैं कि लाल रंग वाला संविधान दिखा रहा हूं। मतलब, इसके अंदर जो लिखा है, ये आजादी के समय की बातें नहीं हैं। मैं आपसे पूछता हूं, क्या इस संविधान में फुले जी की सोच नहीं है (जनसभा ने कहा - है)। अंबेडकर जी को सोच है (जनसभा ने कहा - है)। बुद्ध भगवान की सोच है (जनसभा ने कहा - है)। नारायण गुरु, बसवन्ना इनकी सोच नहीं है क्या (जनसभा ने कहा - है)। तो ये हजारों साल पुरानी किताब है। हजारों साल पुरानी किताब है। इसके अंदर जो है, ये हजारों साल पुरानी सोच है। क्या शिवाजी महाराज ने इसके खिलाफ बात बोली थी क्या? जो शिवाजी महाराज कहते थे, वही इसके अंदर है। (जनसभा ने कहा - संतों की सोच है) संतों की सोच है। एकता है इसमें, मोहब्बत है इसमें, समानता है इसमें, हर धर्म का आदर है इसमें। इसमें कहीं लिखा हुआ है क्या कि हमें एक-दूसरे को मारना चाहिए, गाली देनी चाहिए, इसमें लिखा है क्या? मुझे दिखा दो कहाँ लिखा है इसमें। मुझे दिखा दो इसमें कहाँ लिखा है कि गरीब लोगों को दबाया जाना चाहिए, किसानों को सही दाम नहीं देना चाहिए, इसमें कहाँ लिखा है?

दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने को लेकर गंभीर आप सरकार ने नाइट सिक्योरिटी गार्ड्स को इलेक्ट्रिक हिटर वितरित करने का शुरू किया अभियान

नई दिल्ली, 12 नवंबर 2024 दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने को लेकर गंभीर "आप" सरकार ने नाइट सिक्योरिटी गार्ड्स को इलेक्ट्रिक हिटर वितरित करने का अभियान शुरू किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में विंटर एक्शन प्लान के तहत सुरक्षा गार्डों को बिजली के हीटर वितरित कर इस अभियान की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी विभाग को आदेश दिया गया है कि वे भी अपने-अपने यहां नाईट शिफ्ट में काम करने वालें गार्ड/कर्मचारियों को हीटर उपलब्ध करवाए। गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली वालों के सहयोग और सरकार द्वारा उठाये गए कदम से दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए जितने भी अभियान चलाएं हैं उसमें सफलता मिल रही है। श्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 25 सितंबर को 21 फोकस प्वाइंट पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की सरकार द्वारा घोषणा की गई थी। जिसके आधार पर संबंधित विभागों ने इसे जमीन पर लागू करने के लिए गंभीरता पूर्वक कार्य कर रही है। सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चला रही है जैसे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोजर का छिड़काव, वृक्षारोपण अभियान, जागरूकता अभियान आदि। पूरे दिल्ली में सड़कों पर 200 मोबाइल एंटी स्मोग गन से पानी के छिड़काव का अभियान शुरू किया गया है। विंटर में खुले में आग जलाने से भी प्रदूषण बढ़ता है इसीलिए सरकार द्वारा 6 नवंबर से एक महीने के लिए दिल्ली में एंटी ओपन बर्निंग अभियान शुरू किया गया है हैं टीमें 24 घंटे दिल्ली में ओपन बर्निंग की घटनाओ की निगरानी और उसे रोकने का काम करेंगी। सरकारी विभाग ,आरडब्ल्यूए, निर्माण एजेंसी को सुरक्षा गार्डों को बिजली के हीटर

वितरित करने का निर्देश दिया गया है। ताकि खुले में बायोमास और ठोस अपशिष्ट को जलाने को हतोत्साहित किया जा सके। श्री गोपाल राय ने बताया कि इस साल अभी तक ए.क्यू.आई. इंडेक्स सिवियर कैटगरी में नहीं गया है। इसमें मुख्य तौर पर 3 फैक्टर रहे हैं जिसके कारण दिल्ली का ए.क्यू.आई. अभी भी गंभीर श्रेणी से बाहर बना हुआ है। पहला दिल्ली के अंदर सरकार द्वारा लगातार जो दीर्घकालिक प्रयास किए गए। दूसरा विंटर एक्शन प्लान के अंतर्गत कई तात्कालिक कदम उठाए गए जैसे डस्ट प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए अभियान , वाहन प्रदूषण को नियत्रित करने के लिए उठाए गए कदम , बायोमास वर्निंग को रोकने के लिए अभियान आदि, इसके साथ-साथ पिछले सालों की तुलना में इस साल पराली जलने की घटनाओं कमी आई है। इसके साथ इस साल पिछले सालों की तुलना में तापमान में उतनी कमी नहीं आई है और हवा की गति भी बीच-बीच में बढ़ने के वजह से प्रदूषण का स्तर सिवियर कैटेगरी में नहीं पहुँचा है।

उत्तर प्रदेश ऊर्जा सम्पन्न तथा देश में सर्वाधिक ऊर्जा की आपूर्ति करने वाला राज्य बना

>> प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने नई दिल्ली में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में प्रतिभाग किया

>> उपभोक्ता सेवाओं और शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के लिए मोबाइल एप और पोर्टल जैसी तकनीकी का उत्तर प्रदेश में अधिकतम प्रयोग किया जा रहा

नई दिल्ली। 12 नवम्बर 2024 उत्तर प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने मंगलवार को नई दिल्ली में राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में प्रतिभाग किया। यह सम्मेलन केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी मामले मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर की अध्यक्षता में नई दिल्ली के इण्डिया इण्टरनेशनल कन्वेंशन एण्ड एक्स्पो सेन्टर, यशोभूमि, द्वारका में आयोजित किया गया, जिसमें राज्यों की ऊर्जा जरूरतों, अवस्थापना संरचनाओं के विकास तथा देश में ऊर्जा क्षेत्र के सम्भावित विकास की रणनीतियों व सुझावों पर चर्चा हुई। ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने बताया कि भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा दिए गए प्रस्तुतीकरण एवं गोष्ठी में चर्चा के दौरान प्रदेश में ऊर्जा के क्षेत्र में किये गये कार्यों में निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आए। इसमें-भारत सरकार के सहयोग से चलाई जा रही आरडीएसएस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पिछले दो वर्षों में देश में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला राज्य बना है। इस क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने 62 प्रतिशत भौतिक प्रगति और 47 प्रतिशत वित्तीय प्रगति हासिल की है जो कि देश में सर्वाधिक है। इसी प्रकार से अवस्थापना संरचनाओं के विकास में और लाइन हानियों में कमी लाने के प्रयासों में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। जिसको लक्ष्य के सापेक्ष आगामी मार्च 2025 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस वर्ष की अत्यधिक गर्मी के मौसम में उत्तर प्रदेश में सभी श्रेणियों के विद्युत उपभोक्ताओं को लगातार 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की गयी है। प्रदेश में 13 जून 2024 को 30,618 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की गई, जो कि देश में सर्वाधिक थी। इसी प्रकार 17 जून, 2024 को उत्तर प्रदेश में 659.59 मिलियन यूनिट ऊर्जा की मांग को पूरा किया गया, जो कि देश में सर्वाधिक थी। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि विगत 02 वर्षों की अवधि में सर्वाधिक बिजली की सप्लाई करने के साथ ही उत्तर प्रदेश में एटी एंड सी हानियों में कमी लाकर उसे लगभग आधा कर दिया गया है। इस हानि को वर्ष 2021-22 में 31 प्रतिशत से घटाकर वर्ष 2023 में 22 प्रतिशत पर लाया गया और वर्तमान वर्ष 2024 में इसे और कम करके 16.50 प्रतिशत पर ला दिया गया है। इस उपलब्धि को एक उल्लेखनीय उपलब्धि माना गया है। प्रदेश में वर्ष 2034 तक की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक संसाधनों हेतु योजना तैयार कर ली गई है। प्रदेश की बढ़ती हुई ऊर्जा आवश्यकताओं को थर्मल, हाइड्रो, सोलर एवं पीएसपी परियोजनाओं को मिलाकर पूरा करने की योजना है। वर्तमान में निमार्णाधीन अनेक नई थर्मल पॉवर परियोजनाओं के पूरा हो जाने पर उत्तर प्रदेश में बिजली का सर्वाधिक उत्पादन होने लगेगा। इन परियोजनाओं में ओबरा-डी, अनपरा एवं मेजा में आने वाली परियोजनाएं सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश में निजी क्षेत्र की सहायता से भी प्रदेश में बड़ी बिजली परियोजनाएं स्थापित करने की योजना पर कार्य हो रहा है।

जिनतीर्थ मंडपम सीबीडी ग्राउंड में चार दिवसीय महानुष्ठान शुरू

>> विशुदीदी सहित 13 दीक्षार्थियों को भगवती जिनदीक्षा

>> कुमार विश्वास सहित नामी भजन गायक होंगे शामिल

नई दिल्ली । यमुनापार जैन समाज और राजधानी दिल्ली के जैन समाज ,श्री दिगम्बर जैन समाज यमुनापार कृष्णा नगर द्वारा आज से ऋषभ विहार के समीप जिन तीर्थ मंडपम सीबीडी ग्राउंड में चार दिवसीय भगवती जिन दीक्षा महामहोत्सव एवं गुरुदेव श्री 108 विमर्श सागर जी महा मुनिमहाराज का स्वर्णिम उत्सव आरंभ हो गया। इस आयोजन के मुख्य संयोजक पूर्व निगम पार्षद नरेंद्र जैन और आयोजन समिति से जुड़े टीनू जैन के अनुसार इस आयोजन के दिन आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली के पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल सहित कई गणमान्य अतिथि शामिल होंगे और 14 नवंबर को जब इन 13 दीक्षार्थियों को अल्प आहार विधि का अभ्यास कराया जाएगा तब आचार्य गुरुवर विमर्श सागर की गौरव मयी उपस्थिति में राष्ट्रकवि कुमार विश्वास सहित अनेक कवि गण आध्यात्मिक काव्य पाठ करेंगे। इसी दिन आचार्य गुरुवर की मौलिक कृति विमर्श लिपि एवं विमर्श संबीसा नवीन भाषा का विमोचन कार्यक्रम और शाम को महाविशाल शोभा यात्रा विनौली यात्रा भी निकाली जायेगीं। आयोजन समिति के सतीश जैन, वरुण जैन अनुराग जैन और दीपक जैन ने बताया आयोजन के अंतिम दिन 15 नवंबर को राजधानी में पहली बार इन 13 वीर बेटियों को भगवती जिनदीक्षा प्रात काल की मंगल वेला में केश लौच आदि सभी क्रियाओं के साथ भगवती जिनदीक्षा महामहोत्सव का समापन होगा। आयोजन समिति से जुड़े टीनू जैन ने बताया कि जैन धर्म में जब कोई भी साधु , वैराग्य जीवन में जाता है तो समाज द्वारा आखिरी बार उसको सांसारिक रागों के बीच से सम्मान दिया जाता है। इस यात्रा व सम्मान को बिनौली यात्रा कहते हैं। आचार्य विमर्श सागर जी महाराज की शिष्या विशु दीदी सहित 12 दीक्षार्थी बहने सांसारिक बंधन से मुक्त होकर संयम के मार्ग पर चलने के लिये अग्रसर है। आचार्य श्री ने कहा आज भी युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा सांसारिक बंधनों से मुक्ति चाहता है, यह गर्व की बात है जैन समाज में बहुत रईस और समाज में अच्छा रसूख रखने वाले ऐसे बहुत से युवक युवतियां है और पिछले कुछ वर्षों में समाज की 16 वर्ष से 25 वर्ष आयु तक की कई बहनों ने इस संसार और मोह को त्याग को छोड़ वैराग्य का बेहद कठिन रास्ता चुना। आयोजन समिति के टीनू जैन के अनुसार आज से शुरू हुए इस चार दिवसीय जिनागम पंथी गुरु भक्तों के महाकुंभ में प्रतिदिन दिल्ली सहित अनेक राज्यों से हजारों श्रद्धालु भाग लेंगे।

धर्म ही ऐसी विशेषता है जो मनुष्य को पशुओं से श्रेष्ठ होने का प्रमाण देती है: कृष्ण कुमार शर्मा

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम सिकरौली मिलक में गोपाल खड़गवंशी के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का राष्ट्रीय सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने फीता काटकर शुभारंभ किया, वही इस मौके पर राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक व पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ कृष्ण कुमार शर्मा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि खाना पीना, सोना, डरना डराना,वंशवृद्धि करना आदि ऐसे सामान्य लक्षण हैं जो पशुओं और मनुष्यों में समान रूप से पाए जाते हैं। किन्तु धर्म ही ऐसी विशेषता है जो मनुष्य को पशुओं से श्रेष्ठ होने का प्रमाण देती है। वर्तमान समय में देवालय तो गांव गांव में कई कई मौजूद हैं पर उनमें समाज की उपस्थिति शून्य है। समाज में लोगों में व्याप्त दुर्व्यसन , धार्मिक अज्ञानता, जातिवाद एवं राजनीति समाज को खोखला कर रहे हैं। बिना सामाजिक एवं संस्कृतिक मजबूती के भारत को विश्व गुरु बनाना असंभव है, वहीं कथा वाचक श्री प्रदीप आचार्य जी ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओ माताओं बहनों श्री कृष्णा लीला के प्रसंग सुनाए तथा सभी श्रद्धालु माता बहनों से गायत्री साधना, उपासना एवं नियमित रूप से देवालयों से जुड़ने की आवश्यकता बताई। बच्चो को संस्कारित, व्यावसायिक शिक्षा देने पर बल दिया। इस अवसर पर शास्त्री प्रदीप आचार्य जी, मोनू अग्रवाल मंडल उपाध्यक्ष,आयोजन करता गोपाल राणा, हरीराज मंडल मंत्री, सेक्टर संयोजक राजपाल सिंह, बूथ अध्यक्ष नरेश कुमार, सुनील कुमार आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

डीजे या आतिशबाजी हो तो निकाह नहीं पढ़ाया जाएगा: मुफ्ती निशाद आलम सलमानी

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को मोहल्ला हिरन वाला स्थित मस्जिद उमर में नमाज के बाद मुफ्ती निशात आलम सलमानी ने अपने बयान में मस्जिद में आए हुए तमाम लोगों से अपील करते हुए कहा की शादियों में डीजे और ढोलक बजाना बिल्कुल बंद होना चाहिए । आतिशबाजी गोले छोड़ना ये भी बंद होना चाहिए और जो लड़कियां बारात का स्वागत करती हैं इस तरह बारात का स्वागत भी नहीं होना चाहिए अगर किसी शादी में डीजे बजा या ढोलक या गोले छोड़ें या आतिशबाजी पटाखे छोड़े तो ऐसी शादी के अंदर शिरकत न करें और बिरादरी के लोग उसे घर से बिल्कुल बायकाट करें , और साथ साथ मुफ्ती साहब ने यह भी अपील करते हुए कहा कि नौजवानों तुम अपना निकाह मस्जिद के अंदर करो खाना चाहे कहीं भी हो लेकिन निकाह मस्जिद के अंदर होना चाहिए और जिस शादी के अंदर डीजे बजे तो उस शादी का निकाह भी नहीं पढ़ाना चाहिए ' इस मौके पर मुख्य रूप से हाजी हिकमत सलमानी, नसीम सलमानी, हाजी रईस सलमानी, कुदरत सलमानी, आदिल सलमानी, शकील सलमानी, मुन्ने अब्बासी, नौशाद अब्बासी, सत्तार मलिक, वसीम सलमानी नदीम सलमानी आदि लोग शरीक हुए।

ट्रेन व रेलवे स्टेशन पर चोरी करने वाला 01 शातिर चोर गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान
संवाददाता

लखनऊ। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के अनुपालन में, पुलिस उपमहानिरीक्षक रेलवे उ0प्र0 लखनऊ एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ प्रशान्त वर्मा के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों पर चोरी/लूट/जहर खुरानी/मादक पदार्थो की तस्करी की घटनाओं की रोकथाम हेतु व इनामिया/वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस उपाधीक्षक रेलवे, प्रथम विकास पाण्डेय के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक धर्मवीर सिंह थाना जीआरपी चारबाग लखनऊ के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक-12.11.24 को 01 अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 03 अदद मोबाइल फोन कीमत करीब 30000 रुपए बरामद कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया । गिरफ्तार अभियुक्त राजेश कुमार शुक्ला पुत्र जयकरन शुक्ला निवासी ग्राम शहरी थाना शुबेहा जिला बाराबंकी उम्र करीब 40 वर्ष को पार्किंग के पश्चिम मे बने शौचालय के पास बहद् थाना जीआरपी चारबाग लखनऊ से गिरफ्तार किया गया। अमृत भारत एक्सप्रेस से यात्रा करते समय दिनांक 13.9.24 को वादिनी द्वारा यात्रा के दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा लेडीज पर्स जिसमे एक मोबाइल फोन व अन्य सामान था चोरी कर लेना साथ ही अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि मै ट्रेनों मे सो रहे यात्रियों एवं ट्रेन मे चढ़ते समय यात्रियो के बैग, मोबाइल, ज्वैलरी आदि सामान की चोरी करता हूँ । चोरी किये सामान को चलते फिरते बेच देता हूँ । करीब 7 माह पहले ट्रेन से यात्रा कर रहे यात्री से मोबाइल चोरी किया था व करीब 2 महीने पहले ट्रेन मे एक महिला का बैग चोरी किया था जिसमे मोबाइल , चांदी की पायल , सोने की बाली थी उपरोक्त सामान को चलते फिरते राहगीरो को बेच दिया जो पैसे मिले वह नगद पैसे खाने पीने मे खर्च हो गये उपरोक्त मोबाइलो छुपाकर रखा था जिसे आज बेचने के फिराक मे था पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 राजेश कुमार मौर्या, उ0नि0 ज्ञानेश बाजपेई, उ0नि0 दिलीप कुमार मिश्र थाना जीआरपी चारबाग लखनऊ, हे0का0 अलाउद्दीन, का0 राहुल यादव थाना जीआरपी चारबाग लखनऊ शामिल रहे।

क्राइम टीम व थाना गोमतीनगर पुलिस टीम द्वारा 03 शातिर लुटेरे / अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान (कौशल रस्तोगी)

लखनऊ । दिनांक 21.09.2024 को वादिनी श्रीमती विनोद राय द्वारा प्रस्तुत तहरीर के आधार पे जिसमें एक बाइक सवार तीन व्यक्तियो द्वारा आवेदिका को मारकर जबरदस्ती पर्स छीनने जिससे आवेदिका का सड़क पर गिर जाने एवं चोट लगना विषयक दाखिल किया गया था जिसके आधार पर बाइक सवार तीन व्यक्ति नाम पता अज्ञात, थाना गोमतीनगर लखनऊ में मुकदमा पंजीकृत हुआ था, इसी क्रम में मुकदमा उपरोक्त से संबंधित घटना के सफल अनावरण हेतु उच्चाधिकारीगणों द्वारा टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा माल की बरामदगी व अभियुक्तगणों की तलाश करते हुये घटनास्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज चेक किये गये। फुटेज के आधार पर एवं मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तगण ।-आकाश द्विवेदी पुत्र स्वः) योगेन्द्र द्विवेदी निवासी- मड़ियांव गांव थाना जानकीपुरम लखनऊ उम्र 22 वर्ष 2-आयुष सिंह पुत्र दिल बहादुर निवासी- 14ए/148 शिवाजीपुरम इन्दिरानगर थाना गाजीपुर लखनऊ उम्र 20 वर्ष, 3-आशू रंजन पुत्र स्व० मोती लाल निवासी- 5/11 सेक्टर ।। सहारा स्टेट जानकीपुरम थाना जानकीपुरम लखनऊ उम्र 19 वर्ष को सहारा ओवरब्रिज के नीचे से दिनांक 11.11.2024 गिरफ्तार किया गया। एवं इनके कब्जे से मु0अ0सं0 469/2024 में लूटा गया मोबाइल सैमसंग गैलेक्सी मोबाइल एवं मु0अ0सं0 521/2024 से सम्बन्धित 3000 रुपये एवं घटना में प्रयुक्त एक अदद मोटरसाइकिल पल्सर बरामद की गयी। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। तीनों अभियुक्तगण दोनों घटनाओं में शामिल थे एवं दोनों घटनाओं में एक ही मोटरसाईकिल पल्सर इस्तेमाल हुयी थी।अभियुक्तों ने पूछताछ पर बताया कि आशू रंजन द्वारा घटना के आगे व पीछे की रेकी की जाती थी, दोनो ही घटनाओं में आशू रंजन उपरोक्त द्वारा रेकी की गयी थी एवं आकाश द्विवेदी व आयुष सिंह द्वारा लूट व छिनैती की घटनायें कारित की जाती थी। लूट के पैसे को तीनों अभियुक्त आपस में बांट लेते थे।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में क्राइम टीम ,उ0नि0 सतीश कुमार, का0 अजय तेवतिया, विशाल चौधरी, सचिन तोमर, हितेश सिंह, राहुल पाण्डेय के साथ ही, थाना गोमतीनगर लखनऊ प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार त्रिपाठी,30नि0 मारूफ आलम, 30नि0 मनीष मिश्रा, 30नि0 ज्ञान प्रकाश सिंह, 30नि0 जसीम रजा थाना गोमतीनगर लखनऊ,का0 सुनील कुमार, दीपक, सतीश खरवार, पंकज चौधरी, अंकुर चौधरी,आकाश यादव,अजय यादव शामिल रहे।

सोशल मीडिया एवं दिखावे की दुनिया से दूर रहे छात्र-छात्राएं : शमा परवीन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नगर के महाविद्यालय झम्मन लाल पीजी कॉलेज हसनपुर में मिशन शक्ति कार्यक्रम केअंतर्गत सुप्रीम कोर्ट द्वारा विशाखा गाइडलाइन के बारे में छात्र-छात्राओं को यौन उत्पीड़न संबंधी जानकारी दी गई । इस गाइडलाइन के अंतर्गत महिलाओं के साथ ऑफिस या कार्य स्थल पर होने वाले यौन उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई किस प्रकार की जाती है, बताया गया। मिशन शक्ति प्रोग्राम का आयोजन बबीता त्यागी, कुमुद त्यागी और डॉ गीतांजलि शर्मा द्वारा किया गया' इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या डॉ शमा परवीन ने छात्र-छात्राओं को सोशल मीडिया और दिखावे की दुनिया से दूर रहने के लिए जागरूक किया। इस कार्यक्रम मे गौरव शर्मा, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ नीति शर्मा, डॉ हिरदेश, डॉ शिवा शर्मा , मिस अंशु, पंकज , डॉ स्वादेकीन, निरंजन एवं समस्त स्टाफ एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अंबेडकर विकास मंच द्वारा विपिन कुमार के ग्राम पंचायत सचिव नियुक्त होने पर दी गई बधाई

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य के नेतृत्व में अंबेडकर विकास मंच की टीम ने ग्राम रुखालू में पहुंचकर समाज के होनहार युवा विपिन कुमार का ग्राम पंचायत सचिव पर नियुक्ति होने पर उनको बाबा भीमराव अंबेडकर जी का चित्र देकर वह फूल माला पहनकर मिठाई खिलाकर स्वागत किया और बधाई दी, इस मौके पर अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य ने कहा कि समाज के युवा अपने बल पर सरकारी नौकरियों में उच्च पदों पर पहुंचकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं अतः समाज के लोगों से ऐसे होनहार युवाओं का हौसला अफजाई करते रहने का आह्वान किया, इस मौके पर स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से अंबेडकर विकास मंच के अध्यक्ष महेंद्र सिंह आर्य, अजब सिंह एडवोकेट, जगबीर सिंह मौर्य, सुशील भगत, अंकुर सेठी, रामपाल नेताजी, डॉक्टर समरपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

नौकरी के नाम पर रुपये लेकर फर्जी नियुक्ति पत्र देकर फरार चल रहा ठग गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान संवाददाता

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सेंगर व संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) आकाश कुलहरि के द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त (मध्य) श्रीमती रवीना त्यागी, एवं सहायक पुलिस आयुक्त हजरतगंज अरविन्द कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हजरतगंज विक्रम सिंह की पुलिस टीम को महत्तवपूर्ण सफलता प्राप्त हुयी। थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 338/2023 धारा 406 आईपीसी बढोत्तरी धारा 420/467/468/471/120 बी आईपीसी में नामित अभियुक्त (1) राजेश यादव पुत्र नन्दु यादव निवासी ग्राम गोसाईपुर पोस्ट सेवापुरी थाना जनसा जनपद वाराणसी उम्र 37 वर्ष को आज दिनांक 11.11.2024 को समय 19.25 बजे गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त को मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

देव उठानी एकादशी पर तुलसी विवाह के साथ मनाया गया महापर्व

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। मंगलवार को नगर में देव उठानी एकादशी पर्व की धूम रही वहीं इसी पर्व पर तुलसी विवाह का भी आयोजन हुआ, बताते चलें कि कार्तिक मास की देव उठानी एकादशी देव दिवाली के नाम से भी जानी जाती है आज के दिन माता तुलसी का विवाह भगवान श्री कृष्ण के रूप शालिग्राम जी के साथ हुआ था इसी की झलक को जीवंत करने के उद्देश्य से घर-घर में तुलसी विवाह का आयोजन किया जाता है, मंगलवार को एकादशी के पावन पर्व पर नगर के झारखंड के महादेव शिवाला मंदिर पर शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने अपनी पत्नी के साथ पहुंचकर तुलसी विवाह कार्यक्रम में मां तुलसी और शालेग्राम जी की आरती कर धर्म लाभ उठाया, इस मौके पर शिवसेना के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव ने कहा कि धार्मिक कार्य करने से मन को शांति मिलती है तथा समय-समय पर हमें धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए, वहीं इस मौके पर भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे।

मैं योगी, योगी के लिए देश पहले: आदित्यनाथ

अचलपुर में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को योगी की खरी-खरी

अमरावती, 12 नवंबर: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी का जवाब दिया। सीएम योगी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं, मेरे लिए देश पहले है, राजनीति बाद में, लेकिन आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है।

मेरा हर काम पहले देश के नाम

महाराष्ट्र के अचलपुर में रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तीन दिन से मुझ पर नाराज हो रहे हैं कि मैं ऐसी भाषा का प्रयोग क्यों कर रहा हूं। खड़गे जी! मैं योगी हूं, योगी के लिए देश पहले है। राजनीति बाद में। मेरे और आपमे यही अंतर है। मेरे नेता मोदी ने यही बताया है कि हर काम, पहले देश के नाम। आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है। यही कारण है कि आप न सच्चाई बोल पा रहे हैं, न समझ पा रहे हैं।

मुस्लिम लीग के कारण सरेंडर कर चुका था कांग्रेस नेतृत्व

सीएम योगी ने कहा कि खड़गे जी के परिवार के साथ आजादी के तत्काल बाद घटना घटित हुई थी। खड़गे जी का गांव बारावत्ती हैदराबाद के निजाम के अधीन था। देश की आजादी के पहले अंग्रेजों को लगा कि अब भारत के क्रांतिकारियों के सामने अधिक दिन तक नहीं टिक पाएंगे तो उसने भारत के विभाजन को लेकर रोडमैप तय किया। वे देश में मुस्लिम लीग को देश में प्रोत्साहित करने का कार्य कर ही रहे थे। उस समय कांग्रेस नेतृत्व भी मुस्लिम लीग के सामने सरेंडर कर चुका था। यही कारण था कि मुस्लिम लीग निर्ममता से हिंदुओं को काट रहा था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व सत्तालोलुप होकर मौन बना था।

सरदार पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निजाम को लगा कि बहुत दिन तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा

सीएम योगी ने कहा कि ब्रिटिशरों ने देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत का हिस्सा बनें, चाहें तो पाकिस्तान का हिस्सा और चाहें तो स्वतंत्र अस्तित्व भी रख सकते हैं। भारत में जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने खुद को स्वतंत्र रियासत के रूप में स्थापित करने की चेष्टा की। जिस समय लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निजाम को लगा कि बहुत दिनों तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा, तब उसने निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम शुरू कराया था।

वोटबैंक की खातिर परिवार के बलिदान को भूल गए खड़गे

सीएम योगी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हैदराबाद रियासत के सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व हिंदुओं का आह्वान किया कि वे वहां सुरक्षित नहीं हैं, महाराष्ट्र की तरफ आ जाएं। उस समय हैदराबाद रियासत के अधीन बारावत्ती गांव भी जलाया गया था। यह मल्लिकार्जुन खड़गे जी का गांव था। इसमें खड़गे जी की मां, चाची और बहन को निजाम के रजाकारों द्वारा जलाया गया, लेकिन खड़गे जी सच्चाई को नहीं बोलना चाहते। उन्हें लगता है कि निजाम पर आरोप लगाऊंगा तो मुस्लिम वोट खिसक जाएगा। कांग्रेस इतिहास को झूठलाने का कार्य कर रही है। निजाम के रजाकारों ने हैदराबाद रियासत के अंदर निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम किया। गांव के गांव जलाए गए थे। खड़गे जी उस सच्चाई को स्वीकार नहीं करना चाहते। खड़गे जी वोटबैंक की खातिर परिवार के बलिदान को भूल गए। सीएम ने दो टूक कहा कि इनके लिए सत्ता महत्वपूर्ण है, देश नहीं।

सीएम ने महाराष्ट्रवासियों को चेताया

बंटिए मत, वरना रामनवमी और गणपति शोभायात्रा पर पथराव करेंगे पत्थरबाज

अकोला /नागपुर, 12 नवंबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराष्ट्र वासियों को सचेत किया कि रामनवमी-गणपति शोभायात्रा पर पथराव व अत्याचार वहीं होते हैं, जहां हम बंटे हैं। अयोध्या, काशी और मथुरा आदि स्थानों पर भी हमें अपमान झेलना पड़ा। लोकसभा चुनाव में अमरावती में तांडव भी इसीलिए हो रहा था। यह देश इसलिए बंटा था, क्योंकि आप बटे थे। हिंदु बटे थे तो काटे जा रहे थे। हम बटे तो पत्थरबाज फिर से रामनवमी और गणपति शोभायात्रा पर पथराव करेंगे। लव-लैंड जेहाद के नाम पर जमीनों पर कब्जा होगा और बेटियों की सुरक्षा खतरे में होगी। उन्होंने जनता को आगाह किया कि जाति के नाम पर बांटने वाले नेता देश के साथ विश्वासघात कर रहे हैं। हमें बंटना नहीं है, बंटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे।

महाअनाड़ी गठबंधन ने महाराष्ट्र को बना दिया लव-लैंड और पैनकार्ड जिहाद का नया अड्डा

सीएम योगी ने कहा कि यह चुनावी समर दो बड़े गठबंधन के बीच में है। एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने को लेकर भाजपा का महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ राष्ट्र की अस्मिता के साथ खिलवाड़ करने वाला, महाराष्ट्र को लव जिहाद, लैंड जिहाद व पैनकार्ड जिहाद का नया अड्डा बनाने वाला महाअनाड़ी गठबंधन है। इनका न कोई नेता है और न ही नीति। भारतवासियों की प्रेरणा भूमि महाराष्ट्र बार-बार प्रयोगशाला नहीं बनेगी। लैंड जेहाद, लव जेहाद, धर्मांतरण, पैनकार्ड जिहाद की समस्या का समाधान भाजपा की डबल इंजन सरकार है। यह सरकार बुलेट की स्पीड से विकास कराती है तो देशद्रोही तत्वों को 'राम नाम सत्य' की यात्रा पर भी भेजती है।

पहली बार कश्मीर में चुनी गई सरकार ने संविधान को साक्षी मानकर शपथ ली है

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। अब कश्मीर में अलग संविधान नहीं है। पहली बार कश्मीर में चुनी गई सरकार ने भारत के संविधान को सामने रखकर शपथ ग्रहण किया है। आज जम्मू-कश्मीर विधानसभा व सचिवालय में तिरंगा लहरा रहा है। यह काम नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी ने नहीं, बल्कि पीएम मोदी और भाजपा ने किया। सीएम ने कहा कि धारा-370 समाप्त होने से पाकिस्तान और उसके हमदर्दों को परेशानी हो रही है।

स्वच्छ और डिजिटल महाकुंभ को प्रोत्साहित कर रही योगी सरकार

प्रयागराज, 12 नवंबर। योगी सरकार महाकुंभ को स्वच्छ और डिजिटल महाकुंभ के रूप में प्रदर्शित करने पर खास फोकस कर रही है। इसी क्रम में मंगलवार को प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शीर्ष समिति की 15वीं बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप इस महाकुंभ को डिजिटल और स्वच्छ महाकुंभ के तौर पर प्रदर्शित करने के लिए जो भी आवश्यक कदम हैं वो उठाए जाने चाहिए। पूरे शहर और कुंभ मेला क्षेत्र में डिजिटल साइनेज होने चाहिए। सफाई की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। प्रत्येक स्थान पर डस्टबिन हो, उसके साथ सफाई कर्मी और कूड़ा उठाने वाली गाड़ी के बीच समन्वय होना चाहिए।

विपरीत परिस्थितियों के बावजूद तेजी से हो रहा काम

मुख्य सचिव ने प्रयागराज मेला प्राधिकरण के सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि महाकुंभ को लेकर जो तैयारियां चल रही हैं वो बहुत अच्छी हैं। विपरीत परिस्थितियों और बारिश के बावजूद भी काम पूरी गति से आगे बढ़ रहा है। जितने भी विभाग यहां तैयारियों को अंजाम दे रहे हैं, सभी अपने कार्यों को 30 दिसंबर तक हर हाल में पूरा कर लेंगे। एयरपोर्ट पर नाइट लैंडिंग को लेकर जो भी समस्याएं हैं, उसके विषय में भारत सरकार के साथ विमर्श किया जाएगा। उम्मीद है कि मेला की शुरूआत तक इस समस्या को हल कर लिया जाएगा। अधिक से अधिक फ्लाइट्स को ऑपरेट करने का प्रयास किया जा रहा है।

तकनीक के इस्तेमाल से सुनिश्चित हो साफ सफाई

उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में हमने कुंभ के आयोजन में कई रिकॉर्ड स्थापित किए हैं। खासतौर पर स्वच्छ कुंभ को लेकर काफी काम किया गया है। पहले कुंभ शुरू होने और खत्म होने तक दुर्दशा होती थी, लेकिन अब इनोवेशन का अधिक से अधिक इस्तेमाल कर स्थितियों में क्रांतिकारी बदलाव लाया गया है। इस महाकुंभ को भी स्वच्छता के दृष्टिकोण से अद्भुत बनाना है। साफ सफाई का विशेष ध्यान रखा जाएगा। तकनीक के इस्तेमाल से सफाई और उसकी निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। सफाई की यही कार्ययोजना यूरिनल्स को लेकर भी बनाई जाए। वहां पानी रुकना नहीं चाहिए। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट का निस्तारण सुनिश्चित होना चाहिए। जहां-जहां डस्टबिन लगाए जाने हैं उन्हें सफाई कर्मी के साथ और सफाई कर्मी का वेस्ट उठाने वाली गाड़ी के साथ समन्वयन होना चाहिए। क्लीनिंग के लिए खास टीम होनी चाहिए।

प्रताप पब्लिक स्कूल तरावड़ी में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन

तरावड़ी सुखविंदर सोही

तरावड़ी। प्रताप पब्लिक स्कूल, तरावड़ी में कक्षा सातवीं और आठवीं के छात्रों के बीच एक ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा देना और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करना था। प्रतियोगिता में चार टीमें बनाई गईं– "लोकसभा लॉयंस" ," राज्य सभा रेंजर्स," "संसद स्क्वॉड और "न्याय नेविगेटर " प्रतियोगिता की शुरूआत से पहले सभी छात्रों को इसके नियमों और विभिन्न राउंड्स के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरपर्सन हन्नी चौधरी और निर्देशिका पिथी चौधरी ने प्रतियोगिता के शुभारंभ पर छात्रों को शुभकामनाएँ दीं और उन्हें ईमानदारी से खेल में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता में सरकारी नीतियों से संबंधित रोचक प्रश्न पूछे गए, जिनमें महिला बाल कल्याण, कृषि, स्वास्थ्य, कार्यपालिका और न्यायपालिका, संसद जैसे विषय शामिल थे। छात्रों ने अपने ज्ञान और सूझबूझ का शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का मन मोह लिया। उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ टीमों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के परिणामस्वरूप कक्षा सातवीं व आठवीं की "संसद स्क्वॉड " टीम ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि " न्याय नेविगेटर" टीम ने दूसरा और " लोकसभा लॉयंस " ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के अंत में निर्देशिका पिथी चौधरी ने सभी छात्रों को बधाई दी और विजेता टीमों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्य विकास कुमार ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताओं से उनका मानसिक और बौद्धिक विकास होता है। इस अवसर पर स्कूल के छात्र, स्टाफ और शिक्षक मौजूद रहे।

हरियाणा विधानसभा सत्र की अवधि तीन दिन तय की, 13, 14, 18 नवंबर को चलेगी सदन की कार्रवाई

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी में अवधि तय हुई, कांग्रेस विधायक दल की तरफ से गीता भुक्कल बैठक में पहुंचीं

चंडीगढ़, नवंबर : हरियाणा की 15वीं विधानसभा का पहले सत्र का दूसरा भाग तीन दिन चलेगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सोमवार को सत्र की अवधि तय हुई। मीटिंग में विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र सिंह कल्याण, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा, मंत्री कृष्ण बेदी, डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, कांग्रेस विधायक दल की तरफ से गीता भुक्कल, सावित्री जिंदल, इनेलो विधायक दल की तरफ से अर्जुन चौटाला मौजूद रहे। अब तय की गई अवधि के अनुसार विधानसभा का सत्र 13 नवंबर से शुरू होगा।

उस दिन राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय हरियाणा सरकार के विजन को अभिभाषण के रूप में सदन में रखेंगे। फिर इस पर चर्चा होगी। पहले यह चर्चा 13 को पूरी कर उसी दिन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का जवाब प्रस्तावित रखा था। मगर बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में यह तय हुआ कि 13 नवंबर को राज्यपाल का अभिभाषण होगा। इस पर 13 और 14 नवंबर को चर्चा होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी 14 नवंबर को चर्चा का जवाब देंगे। सदन की 15, 16, 17 नवंबर छुट्टी के कारण बैठक नहीं। फिर 18 नवंबर को सदन की आखिरी बैठक होगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि सदन की अवधि 13, 14, 18 नवंबर को होगी।

राज्यपाल के अभिभाषण पर दो दिन चर्चा होगी, फिर मुख्यमंत्री नायब सैनी जवाब देंगे

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र सिंह कल्याण की अध्यक्षता में सोमवार को उनके कक्ष में बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक हुई। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रश्नकाल नहीं होगा मगर शून्यकाल या राज्यपाल के अभिभाषण या अनुपूरक मांगों पर चर्चा के दौरान उठाए जा सकते हैं कई मुद्दे

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार के पहले सत्र का यह दूसरा हिस्सा है। पहले हिस्से में विधायकों की शपथ हुई थी, स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव हुआ था। उसी दिन अनिश्चितकाल के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित की गई थी। अब सत्र का दूसरा हिस्सा बुलाया गया है। मगर इस सत्र में प्रश्नकाल नहीं होगा। गीता भुक्कल ने बताया कि बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में उन्होंने मांग रखी थी कि इस बार प्रश्नकाल नहीं है मगर विधायक कुछ मुद्दों पर अपनी बात रखना चाहते हैं। इसलिए बैठक में कहा गया था कि शून्यकाल दिया जाए ताकि विधायक अपने क्षेत्र की मांगें रख सकें। भुक्कल ने कहा कि उन्होंने आग्रह किया था कि राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा दो दिन की जाए। यह आग्रह स्वीकार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि सदन की बैठकें लंबी करने या ज्यादा करने का आग्रह भी किया गया है। भुक्कल ने कहा कि इस बार सदन में उठाए जाने वाले अनेक मुद्दे हैं। नए विधायकों को ओरिएंटेशन देने का आग्रह भी स्वीकार किया गया है।

कई मुद्दे उठाए जाएंगे, नए विधायकों को प्रशिक्षण दिया जाए : अर्जुन चौटाला

इनेलो विधायक अर्जुन चौटाला ने मीटिंग के बाद बताया कि सदन की अवधि बढ़ाने की मांग रखी गई थी। इस सत्र में इनेलो की तरफ से कई मुद्दे उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कई विधायक नए चुनकर आए हैं इसलिए उन्हें प्रशिक्षण देने का आग्रह किया गया है। ई-विधानसभा भी उनके लिए नई है इसलिए भी ट्रेनिंग की आवश्यकता है।

विधानसभा सत्र में विपक्ष के पास नहीं है कोई मुद्दा : महीपाल ढांडा

बैठक के बाद संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा का शीतकालीन सत्र राज्यपाल के अभिभाषण के साथ सत्र शुरू होगा। मगर इस सत्र के लिए विपक्ष के पास कोई विशेष एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास सदन में उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। वे आपस में ही झगड़ रहे हैं। अब तक नेता प्रतिपक्ष का चयन भी नहीं कर पा रहे हैं। सदन में नेता प्रतिपक्ष का होना जरूरी होता है तभी हम सार्थक चर्चा कर पाते हैं। लोगों को भी न केवल सरकार से बल्कि विपक्ष के नेताओं से भी विधानसभा सत्र के बारे खास लगाव रहता है और वे चाहते हैं कि उनके क्षेत्र की मांगें सदन में उठाई जाएं, परंतु विपक्ष का कोई नेता ही नहीं है तो जनता को विपक्ष से क्या उम्मीद हो सकती है। शिक्षा और संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि सरकार पूरी तरह से सदन चलाने को तैयार है। अनुपूरक मांगों के अलावा कुछ अध्यादेश भी सदन में पारित किए जाएंगे। इसके अलावा अन्य विधायी प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सदन में एक नई परिपाटी लागू की है। इसके तहत हर विधायक को बजट सत्र हो या फिर शीतकालीन सत्र हो, बोलने का मौका दिया जाता है। मंत्री ने कहा कि विपक्ष के हर मुद्दे का जबाव सदन में पुख्ता तौर पर दिया जाएगा। बेहतर होता कि विधानसभा सत्र से पहले विपक्ष अपने नेता प्रतिपक्ष का नाम तय कर लेते। इससे सदन की गरिमा बनी रहती। विपक्ष महाराष्ट्र चुनाव के बाद विपक्ष के नेता का चयन करने की बेतुकी बात कर रहा है। विधानसभा सत्र हरियाणा का है, जिसका महाराष्ट्र चुनाव से कोई लेना-देना नहीं है। कांग्रेस सदन के नाम पर लीपापोती कर जनता को गुमराह कर रही है। हालांकि जनता पहले ही कांग्रेस को आईना दिखा चुकी है। ढांडा ने कहा कि जरूरत पड़ी तो सदन की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने हरियाणा, पंजाब, यूटी चंडीगढ़ के शीर्ष अधिकारियों के साथ की बैठक

हरियाणा विधानसभा कार्य सलाहकार समिति का निर्णय: 15वीं विधानसभा का प्रथम सत्र 18 नवंबर तक चलेगा

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद, आवश्यक दिशा-निर्देश के बाद विधानसभा परिसर का किया मुआयना

चंडीगढ़, नवंबर : 25 अक्तूबर से शुरू हुआ 15वीं हरियाणा विधानसभा का प्रथम सत्र 18 नवंबर तक चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कार्य सलाहकार समिति की बैठक में निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी, विस उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण मिड्ढा, विधायक सावित्री जिंदल, गीता भुक्कल और अर्जुन चौटाला शामिल रहे। सत्र की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए विस अध्यक्ष ने हरियाणा, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के शीर्ष अधिकारियों के साथ भी बैठक की। इस दौरान सुरक्षा प्रबंधों को लेकर अनेक दिशानिर्देश दिए गए। बैठक के बाद विस अध्यक्ष ने विधानसभा परिसर का मुआयना भी किया। सुरक्षा प्रबंधों को लेकर आयोजित बैठक में विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विधानसभा सत्र संसदीय लोकतंत्र का पर्व है। इसकी प्रत्येक व्यवस्था नियमों के अनुसार पूरी तरह कर्तव्यनिष्ठा के साथ की जानी चाहिए। सत्र की कार्यवाही में भाग लेने वाले किसी भी माननीय सदस्य को दिक्कत का सामना न करना पड़े। सत्र के दौरान दर्शकों विशेषकर स्कूली बच्चों की सुविधा का भी पूरा ख्याल रखें।

विधानसभा सत्र की तैयारियों के सिलसिले में परिसर का मुआयना करते विस अध्यक्ष।

सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य अनुशासन बनाए रखना

उन्होंने निर्देश दिए कि विधानसभा सत्र के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य अनुशासन बनाए रखना है। किसी भी मीडियाकर्मी व अन्य आगंतुक की आवश्यकता से अधिक चेकिंग न हो। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था दुरुस्त करने व ड्यूटी पर कार्यरत स्टॉफ की सुविधाओं का विशेष रूप से ख्याल रखने को भी कहा। सत्र की कार्यवाही देखने के लिए आने वाले दर्शकों के लिए प्रवेश पत्र बनाते समय समुचित नियमों व प्रक्रियाओं का पालन करें। मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के अलावा किसी भी मंत्री या विधायक के साथ उनके सुरक्षा कर्मचारी विधान भवन में प्रवेश नहीं करेंगे। विधान भवन में पंजाब के साथ साझा सभी 7 रास्ते भी बंद किए जा रहे हैं। महिला दर्शकों की चेकिंग के लिए अलग से कैबिन स्थापित किए गए हैं। वहीं, सिविल सचिवालय से आने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को भी उनके पहचान पत्र के आधार पर प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। उन्हें विधानभवन आने के लिए विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी प्रवेश पत्र दिखाना होगा। बैठक में हरियाणा के मुख्य सचिव विवेक जोशी, गृह सचिव अनुराग रस्तोगी, डीजीपी शत्रुजीत कपूर, एडीजीपी सीआईडी आलोक मित्तल समेत अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

कुल 04 बैठकें होंगी

15वीं विधानसभा के प्रथम सत्र की पहली बैठक 25 अक्तूबर को आयोजित की गई थी। इस दिन विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा सत्र की कार्यवाही अनिश्चित काल के स्थगित की थी। सोमवार को बीएसी ने निर्णय लिया है कि इस सत्र की अगली बैठक 13 नवंबर को होगी। सत्र की तीसरी बैठक 14 और चौथी बैठक 18 नवंबर को होगी। बीच में 15 को गुरु तेगबहादुर जयंती के उपलक्ष्य में राजकीय अवकाश है। 16 और 17 नवंबर को शनिवार और रविवार के अवकाश हैं।

सत्र से पहले विधायकों का होगा प्रशिक्षण

15वीं हरियाणा विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायकों के लिए 12 नवंबर को प्राथमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। चंडीगढ़ सैक्टर-3 स्थित हरियाणा निवास में शाम को होने वाले इस सत्र में पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की टीम विधायकों को विधायी कामकाज की बारीकियां बताएगी। कार्यक्रम को विधानसभा अध्यक्ष और विस उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी संबोधित करेंगे।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ली संबंधित एजेंसियों से जुड़े अधिकारियों की बैठक

हरियाणा में सीएमआर चावल भंडारण के लिए समुचित भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित करें अधिकारी: डा. सुमिता मिश्रा

दिल्ली से एफसीआई की सीएमडी वनिता रतन शर्मा सहित खरीद एजेंसियों के अधिकारी रहे बैठक में मौजूद

चंडीगढ़, नवंबर : खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा ने खाद्यान्न भंडारण से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में दिल्ली से एफसीआई सीएमडी वनिता रतन शर्मा, हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन के एमडी और सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग, हैफेड के एमडी जे गणेशन, एफसीआई हरियाणा की जीएम शरणदीप कौर बराड़ व खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की संयुक्त निदेशक अनीता खर्ब सहित खरीद एजेंसियों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्य रूप से सीएमआर चावल के भंडारण की सुविधा पर चर्चा हुई, जिसमें एफसीआई ने हरियाणा सरकार ने करीब 16 लाख एमटी चावल के भंडारण के लिए जगह की जरूरत बताई, जिसमें से 12 लाख 55 हजार एमटी चावल के भंडारण के लिए भंडार गृहों में उपयुक्त जगह पाई गई। इसके अलावा एफसीआई की ओर लंबित भुगतान, गोदामों में अनाज के भंडारण के लिए दर्शाए जाने वाले समय अवधि को लेकर व अंतर जिला गेहूं स्थानातंरण पर एफसीआई द्वारा यातायात खर्च उठाने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

भंडारण के लिए समय रहते सुनिश्चित की जाए समुचित व्यवस्था

डॉ. सुमिता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा धान के सीजन में खरीदी गई धान से निकलने वाले सीएमआर चावल के भंडारण के लिए समुचित व्यवस्था समय रहते सुनिश्चित की जाए। एफसीआई ने हरियाणा सरकार से 16 लाख एमटी चावल के भंडारण के लिए गोदामों की जरूरत बताई है। इस जरूरत अनुसार सुनिश्चित किए गए गोदामों में से एफसीआई को करीब 12.55 लाख एमटी चावल के भंडारण के लिए गोदाम उपयुक्त पाए गए हैं इसलिए अधिकारी दिसंबर के अंत तक इन सभी जगहों पर स्थित गोदामों में भंडारण के लिए आवश्यक सुविधाएं जुटाएं ताकि मिलर्स द्वारा एफसीआई को जब चावल दिया जाए तो उसके भंडारण में किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए जो भी टेंडर के कार्य हैं, उन्हें समय पर पूरा किया जाए। मरम्मत से लेकर स्वीकृति लेने सहित तमाम कार्य समय रहते पूरे करें। उन्होंने धान के सीजन में निर्बाध तरीके से संपन्न हुए धान खरीद सीजन के लिए सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार का प्रयास उस समय सफल हुए जब किसानों को धान बेचने में कोई परेशानी नहीं आई।

गोदामों की गेहूं उठान का काम शीघ्र किया जाए सुनिश्चित

बैठक में निर्णय लिया गया कि गोदामों में इस समय जो गेहूं भंडारित है, उसके उठान का काम एफसीआई द्वारा शीघ्रता से सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार एफसीआई को चिन्हित गोदाम उपलब्ध करवाएगी व सीएमआर के चावल के भंडारण के लिए हर संभव सहयोग करेगी। समय रहते सभी तरह की मरम्मत पूरी कर ली जाएंगी। गेहूं के सीजन में एफसीआई मंडियों से सीजन के समय जरूरत पड़ने पर सीधा उठान सुनिश्चित करने की योजना तैयार करेगी। एफसीआई के अधिकारियों द्वारा हरियाणा के गोदामों से गेहूं व चावल का जल्द से जल्द उठान करवाया जाएगा। बैठक में एफसीआई सीएमडी वनिता रतन शर्मा ने हरियाणा सरकार द्वारा धान खरीद के कार्य को सुगमता पूर्वक करवाए जाने पर सभी अधिकारियों को बधाई दी। साथ ही कहा कि एफसीआई द्वारा हरियाणा सरकार के साथ तालमेल कर अनाज के सुरक्षित भंडारण में हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने भुगतान सहित लंबित मुद्दों पर सकारात्मक कदम उठाने का आश्वासन दिया।

ट्रंप, पुतिन ने फोन पर...

सैन्य उपस्थिति की याद दिलाई। हाल में राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने 70 से ज्यादा विश्व नेताओं से बात की है। इनमें भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शामिल हैं। ट्रंप 20 जनवरी 2025 को अमरीका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने वाले हैं। यूक्रेन को ट्रंप-पुतिन की फोन पर हुई बातचीत के बारे में सूचित कर दिया गया है।

यूपी में जज को बदमाशों...

लोकेशन कहां थी। पुलिस को अलीगढ़ में सुंदर भाटी गिरोह का कोई आपराधिक रिकार्ड नहीं मिला है। अधिकारी ने बताया कि घटना 29 अक्तूबर को रात 8 बजे के आसपास हुई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के अनुसार, जज ने घटना वाली रात सूचना दी थी। उन्होंने कहा कि उस वक्त जज ने कुछ लोगों द्वारा उनकी कार रोके जाने का प्रयास करने का सिर्फ अंदेशा जताया था और कोई तहरीर नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि जज ने अब तहरीर दी है और हमले का अंदेशा जताया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है।

समाजवादी पार्टी के नेता हरेंद्र नागर और उनके गनर की हत्या के मामले में जज अनिल कुमार ने सुंदर भाटी को 2021 में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद वह गत 23 अक्तूबर को सोनभद्र जेल से रिहा हुआ था। इसके कुछ दिन बाद 29 अक्तूबर को जज की गाड़ी का पीछा किए जाने की घटना सामने आई।

पुलिस जांच में पता चला कि जज की गाड़ी का पीछा करने वाली बोलेरो का नंबर अलीगढ़ का है। सफेद रंग की इस गाड़ी का पूरा नंबर नहीं मिल पाने की वजह से गाड़ी का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस राजमार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के जरिये छानबीन कर रही है।

एसटी/एससी और...

कांग्रेस के 'शाही परिवार' से हर कोई आरक्षण के प्रावधान का 'कट्टर विरोधी' रहा और जब तक पार्टी सत्ता में थी तब तक उसने इसके पक्ष में उठने वाली सभी आवाजों को कुचल दिया क्योंकि दलित, ओबीसी और आदिवासी समाज तब बिखरे हुए थे।

वहीं, प्रधानमंत्री ने श्री स्वामीनारायण मंदिर की 200वीं वर्षगांठ के अवसर पर गुजरात के खेड़ा जिले के वडताल में श्रद्धालुओं की एक सभा को डिजीटल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोग अपने निहित स्वार्थों के लिए समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें हराने की जरूरत है। उन्होंने देश को 2047 तक विकसित बनाने के लिए एकता की जरूरत पर बल दिया।

खरगे का योगी आदित्यनाथ...

ने दावा किया कि मोदी और शाह ने विपक्षी नेताओं के खिलाफ ईडी, सीबीआई और अन्य केंद्रीय एजेंसियों को तैनात कर दिया है, लेकिन 'हम डरते नहीं हैं। हमने आजादी के लिए लड़ाई लड़ी, अपने प्राणों की आहुति दी।' उन्होंने आरोप लगाया कि 4 लोग भारत को चला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'मोदी, शाह, अदाणी और अंबानी देश चला रहे हैं, जबकि राहुल गांधी और मैं संविधान और लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।'

उपचुनाव जनता के पास...

कर रही। पंजाब में डीएपी खाद की कालाबाजारी हो रही है। गोदामों में कई मीट्रिक टन डीएपी खाद अनधिकृत रूप से जमा करने का मामला सामने आया है। मदद के रूप में केंद्र सरकार ने 44,000 करोड़ रुपए भेजे हैं। किसानों की इस स्थिति के लिए पंजाब सरकार जिम्मेदार है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 'भाजपा विरासत भी, विकास भी' के मंत्र पर चल रही है।

सिख विरोधी दंगा मामले...

कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि मुकद्दमा जारी रहेगा। यह मौजूदा कार्यवाही के परिणाम के अधीन होगा। टाइटलर के वकील ने दलील दी कि इस मामले को मंगलवार को एक निचली कोर्ट में अभियोजन पक्ष के गवाह के बयान दर्ज करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है और संबंधित कोर्ट को यह निर्देश दिया जाए कि जब तक हाईकोर्ट उनके मुवक्किल के खिलाफ हत्या एवं अन्य अपराधों के आरोप तय करने को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला नहीं सुना देता, तब तक मामले में सुनवाई न की जाए।

आरोप तय किए जाने के खिलाफ टाइटलर की याचिका पहले ही 29 नवंबर को हाईकोर्ट में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की जा चुकी है, लेकिन उन्होंने मुकद्दमे पर रोक लगाने का अनुरोध करते हुए कोर्ट का रुख किया। उनकी याचिका में कहा गया है कि अभियोजन पक्ष की गवाह निचली कोर्ट ने दर्ज कर ली है और बचाव पक्ष का वकील 12 नवंबर को उनसे जिरह करेगा।

जापान की संसद ने इशिबा...

के लगभग एक महीने बाद ही दूसरी कैबिनेट के गठन के लिए मजबूर होना पड़ा था। इशिबा ने अपनी पूर्व कैबिनेट के ज्यादातर सदस्यों को एक बार फिर मंत्री नियुक्त किया। इनमें विदेश मंत्री ताकेशी इवाया, रक्षा मंत्री जनरल नकातानी और मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी शामिल हैं।

कर्नाटक के मंत्री जमीर...

लिए जमीर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। खान ने अपनी प्रतिक्रिया पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि उनका मकसद कुमारस्वामी को ठेस पहुंचाना नहीं था। खान ने कहा कि कुमारस्वामी अक्सर उन्हें 'कुल्ला' (बौना) कहते हैं। राज्य सरकार में मंत्री ने कहा कि वह केंद्रीय मंत्री को 'करियान्ना' (काला भाई) कहते रहे हैं। खान ने रविवार को रामनगर में एक चुनावी रैली में कहा था कि चन्नापटना से कांग्रेस के उम्मीदवार सीपी योगीश्वर के पास इससे पहले भाजपा में जाने के अलावा कोई चारा नहीं था।

मंत्री ने कहा, हमारी पार्टी (कांग्रेस) में कुछ मतभेदों के कारण, उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। उनके पास भाजपा में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। वह जद (एस) में शामिल होने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि 'कालिया कुमारस्वामी' भाजपा से ज्यादा खतरनाक थे। अब वह (योगीश्वर) घर वापस (कांग्रेस में) आ गए हैं।

आतंकी पन्नू ने फिर...

होगी। आतंकी पन्नू ने वीडियो में यह भी कहा कि हम हिंदुत्ववादी विचारधारा की जन्मस्थली अयोध्या की नींव हिला देंगे। वीडियो में उसने देश के कई हिन्दू मंदिरों की तस्वीरें शामिल की हैं, जिनमें अयोध्या का राम मंदिर भी है।

ट्रंप ने की घोषणा, आव्रजन प्रवर्तन के पूर्व निदेशक टॉम होमैन होंगे सीमा अधिकारी

(न्यूयार्क). नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनके पूर्व कार्यकारी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन निदेशक टॉम होमैन उनके आगामी प्रशासन में 'बॉर्डर जार' (सीमा अधिकारी) के रूप में काम करेंगे। उन्होंने रविवार देर रात सोशल मीडिया साइट 'ट्रूथ सोशल' पर लिखा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व आईसीई निदेशक और सीमा नियंत्रण के दिग्गज टॉम होमैन ट्रंप प्रशासन में शामिल होंगे और हमारे देश की सीमाओं की निगरानी करेंगे।' इस बात की प्रबल उम्मीद थी कि होमैन ट्रंप के दूसरे प्रशासन में सीमा-संबंधी भूमिका में पुनः शामिल होंगे।

नेतन्याहू ने हिज्बुल्ला पर पेजर, वॉकी-टॉकी हमलों में इसराइल की भूमिका स्वीकार की

यरुशलम, नवंबर : इसराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पहली बार स्वीकार किया कि सितंबर में हिज्बुल्ला को निशाना बनाकर किए गए पेजर और वॉकी-टॉकी हमलों के पीछे उनका देश था, जिनमें कम से कम 39 लोगों की मौत हो गई तथा 3,000 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

'टाइम्स ऑफ इ,राइल' अखबार ने नेतन्याहू के हवाले से कहा, 'रक्षा प्रतिष्ठान में वरिष्ठ अधिकारियों और राजनीतिक क्षेत्र में उनके समर्थकों के विरोध के बावजूद पेजर और हिज्बुल्ला नेता हसन नसरल्ला को खत्म करने का अभियान चलाया गया।' नेतन्याहू ने रविवार की साप्ताहिक मंत्रिमंडल की बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं। लेबनान तथा सीरिया के कुछ हिस्सों में 16 सितंबर को विस्फोटक वाले हजारों पेजर फट गए थे जो हिज्बुल्ला के समर्थकों के पास थे। दुनियाभर के लोग पेजर विस्फोट की खबरों से उबर भी नहीं पाए थे कि एक दिन बाद 17 सितंबर को वॉकी-टॉकी में भी विस्फोट हुए, जिसने लेबनानी शिया मिलिशिया के खिलाफ युद्ध में इसराइल की खुफिया तैयारी के स्तर को लेकर दुनिया को चौंका दिया।

जम्मू-कश्मीर में सभी धर्मों और विचारधाराओं के लोग विशेष दर्जा वापस चाहते हैं : उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी

जम्मू, नवंबर : सोमवार को जम्मू-कश्मीर के उप-मुख्यमंत्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सभी धर्मों और विचारधाराओं के लोग विशेष दर्जा वापस चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह मुख्यमंत्री या उप-मुख्यमंत्री की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह सभी की है और जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक नागरिक को इस वैध संघर्ष में अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक, चाहे उसकी वैचारिक संबद्धता या आस्था कुछ भी हो, चाहता है कि विशेष दर्जा बहाल किया जाए।

जम्मू में शेर-ए-कश्मीर भवन में एक सभा को संबोधित करते हुए उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि हर वर्ग जल्द से जल्द छीने गए अधिकारों को वापस चाहता है। चाहे उनकी आस्था कोई भी हो, चाहे वह हिंदू हो, मुस्लिम हो, सिख हो, ईसाई हो या कोई और। सभी चाहते है कि जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा वापस मिले।

उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न सत्र में जम्मू-कश्मीर विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव ने भारत के गृह मंत्री को याद दिलाया है कि आपने संसद में जम्मू-कश्मीर के लोगों से वादा किया था कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा जल्द ही बहाल किया जाएगा इसलिए हमने उनसे अपने वादे को पूरा करने और छीने गए अधिकारों को जल्द से जल्द बहाल करने पर जोर दिया।

संक्षिप्त समाचार

बोलेरो मे आग लगाने वाले तीन युवको को दबोचा

चित्रकूट। पुलिस ने बोलेरो गाड़ी को जलाने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बीते नौ नवंबर को विजय गुप्ता ने थाना बरगढ़ में सूचना दी थी कि उनकी बोलेरो गाड़ी, जो उनके भाई विवेक कुमार के नाम पंजीकृत थी, घर के अंदर खड़ी थी और किसी ने साजिश के तहत गाड़ी में आग लगा दी। विजय गुप्ता का आरोप था कि उनकी गाड़ी को टेकलाल, छोटू, अंकित केशरवानी, अनुज केशरवानी और नितिन ने मिलकर पेट्रोल डालकर आग लगवाने की साजिश की थी, जिसके कारण उनकी गाड़ी जलकर पूरी तरह खाक हो गई। थानाध्यक्ष पंकज तिवारी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम का गठन किया। उनि राधेश्याम सिंह और उनकी टीम ने लगातार प्रयास करते हुए वांछित आरोपियों के खिलाफकार्रवाई की। अशोक चौराहा से गोइया रोड पंचवटी गेस्ट हाउस से अंकित केशरवानी, कपिल द्विवेदी और नितिन तिवारी को गिरफ्तार किया।

जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ

चित्रकूट। मऊ ब्लाक मे जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमे पहाड़ी, ब्लाक, ब्लाक, और रामनगर ब्लॉक की टीमो ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का विधायक मऊ-मानिकपुर, नगर पालिका अध्यक्ष ने स्काउट परेड और फ्लैग सलामी लेकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रथम दिन सत्र में 50, 100 और 200 मीटर बालक-बालिका जूनियर और प्राथमिक दौड़, प्राथमिक और जूनियर बालक बालिका खो-खो कबड्डी सांस्कृतिक कार्यक्रम योग प्रतिस्पर्धा संपन्न हुई। जिसमें चयनित अध्यापकों के साथ-साथ प्रजायत्न संस्थान क्षेत्र समन्वयक अनुज कुमार और प्रेमचंद सहित अमित, सूर्यकांत ने योगदान दिया।

खुदाई से सड़कें हो रही ध्वस्त जल्द कराये ठीक-आयुक्त

चित्रकूट। आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में कानून व्यवस्था एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। मंडला आयुक्त ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराई जा रहे कार्यों के संबंध में अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया कि जिन रोडों की खुदाई हुई है उसे तत्काल सही कराए उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि इसका सत्यापन भी कराए। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड ओडीओपी में स्थित ठीक न पाए जाने पर जिलाधिकारी से कहा कि उनके खिलाफकार्रवाई करें।

बैठक में पुलिस उपमहानिरीक्षक परिक्षेत्र अजय कुमार सिंह, संयुक्त विकास आयुक्त पुष्पेंद्र सिंह, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर उपस्थित रहे।

फिलीस्तीनी स्वाधीनता संग्राम के महानायक नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डॉ यासिर अराफात की 20वी पुण्यतिथि पर फिलिस्तीन एवं इजराइल में युद्ध समाप्ति एवं स्थाई शांति के लिए विश्व शांति सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

चंपारण। फिलिस्तीन स्वाधीनता के महानायक नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डॉ यासिर अराफात को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि। फिलिस्तीनी स्वाधीनता संग्राम के महानायक नोबेल शांति पुरस्कार विजेता डॉ यासिर अराफात की 20वी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पीस एंबेस्डर सह सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल ,डॉ शाहनवाज अली, वरिष्ठ पत्रकार सह संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक ने संयुक्त रूप से कहा कि स्वर्गीय डॉ यासिर अराफात का पूरा नाम मोहम्मद अब्दुल रहमान अब्दुल रऊफ अराफात अलकुव्दा अल हुसैनी था ।जिन्हें यासिर अराफात के लोकप्रिय नाम से ज्यादा जाना जाता है। आज ही के दिन आज से 19 वर्ष पूर्व 11 नवंबर 2004 को डॉक्टर यासिर अराफात की मृत्यु हुई थी।एक फिलिस्तीनी नेता एवं फिल्स्तीनी मुक्ति संगठन के अध्यक्ष थे। अराफात ऐसे पहले शख्स थे, जिन्हें किसी राष्ट्र का नेतृत्व न करते हुए भी संयुक्त राष्ट्र में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया गया था। स्वर्गीय अराफात के नेतृत्व में उनके संगठन ने संघर्ष की जगह शांति को बढ़ावा दिया । प्रारंभ में शांति से दूर संघर्ष की पहल करने वाले अराफात की छवि

1988 में अचानक बदली हुई दिखी। वो संयुक्त राष्ट्र में शांति के दूत के रूप में नजर आए। बाद में उन्हें शांति के नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू -इंदिरा गांधी के साथ इनकी बहुत करीबियां थीं। इंदिरा गांधी को वो अपनी बड़ी बहन मानते थे। इन्होंने भारत में 1991 के चुनाव अभियान के दौरान राजीव गांधी को जानलेवा हमले को लेकर आगाह किया था।

डीएम की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं जिला स्तरीय चौर विकास समिति की बैठक सम्पन्न, मत्स्य बाहुल्य इलाका बनाने की तैयारी

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पश्चिम चंपारण। जिले के डीएम दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में मंगलवार को बेतिया में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं जिला स्तरीय चौर विकास समिति की बैठक जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ सम्पन्न हुई। इस बैठक में उप विकास आयुक्त पश्चिम चम्पारण सुमित कुमार, अपर समाहर्त्ता राजस्व, राजीव कुमार सिंह, जिला मत्स्य पदाधिकारी, ज्ञान शंकर सहनी, जिला कृषि पदाधिकारी प्रवीण कुमार राय सहित जिला उद्यान पदाधिकारी, अंचलाधिकारी एवं प्रगतिशील मत्स्य कृषक आदि उपस्थित रहे। इस बैठक में बताया गया कि मत्स्य विभाग के पोर्टल पर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति वर्ग में 5 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप से आइस प्लांट अधिष्ठापन, लघु फीड मील अधिष्ठापन, मोबाईल फिश किऑस्क

अवयवों में आवेदन प्राप्त है। अनुसूचित जनजाति वर्ग में 12 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें मुख्य रूप से तालाब निर्माण, बायोफ्लॉक अधिष्ठापन, फिश किऑस्क का निर्माण, प्रसार सलाह केन्द्र, जिन्दा मछली बिक्रय केन्द्र, अलंकारी मछलियों का संवर्द्धन अवयव में आवेदन प्राप्त है। वहीं महिला एवं अन्य वर्ग में विभिन्न अवयवों में कुल 72 आवेदन प्राप्त है। समिति की बैठक में कुल 89 आवेदनों में से इच्छुक एवं विभाग द्वारा निर्धारित आवश्यक अहर्त्ता पूर्ण करने वाले आवेदनों का चयन किया गया। डीएम द्वारा जिला मत्स्य पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि योजना का क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण पारदर्शितापूर्वक सुनिश्चित करें ताकि प्रधानमंत्री के महत्वकांक्षी योजना से लाभान्वित होकर जिले के आम लोगों को वैज्ञानिक पद्वति आधारित मत्स्य बीज, मत्स्य उत्पादन, मत्स्य विपणन, मत्स्य भंडारण मत्स्य प्रसंस्करण एवं मत्स्य आहार उत्पादन आदि व्यवसाय द्वारा सतत गुणवतापूर्ण खाने योग्य मछलियों की उपलब्धता बाजार में सुनिश्चित कराई जा सके साथ ही रोजगार के नए अवसर सृजित हो, किसानों की आय में वृद्धि तथा जिले को मत्स्य बाहुल्य क्षेत्र बनाया जा सके।

बिना सुचना दिए बुलडोजर चलाकर दुकान उखाड़ने का गोश्त दुकानदारों ने किया विरोध

अंग्रेजो के समय से आवंटित हेनरी बाजार में बिक रहा है मिट

>> इस तरह की कार्यवाही न्याय उचित नहीं - आजम रशीद

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

पूर्वी चंपारण। मोतिहारी शहर के हेनरी बाजार स्थित गोश्त पट्टी के दुकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया जिसका गोश्त दुकानदारों ने भारी विरोध किया।प्राप्त सुचना के अनुसार आज दिन 1 बजे सदर एसडीएम के आदेश से हेनरी बाजार वार्ड नंबर 19 स्थित गोश्त पट्टी के दुकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया है जिसपर दुकानदारों ने वबाल काटा। इस मामले को लेकर वार्ड नंबर 15 के पार्षद प्रतिनिधि आजम रशीद ने बताया की उनके नेतृत्व में एसडीएम, महापौर प्रीति कुमारी व आयुक्त सुमन सौरभ यादव से मिल समस्या से अवगत कराया गया, उन्हें बताया गया की जब भी हिन्दुओं का या सामने पंजाबी का कोई बड़ा पर्व आयोजित होता है तो दुकानदार अपना दुकान बन्द कर सहयोग करते है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया की यह भूमि केसरे हिंद की है जो अंग्रेजो के समय से गोश्त दुकानदारो के लिए आवंटन की गई है,, ऐसे में बिना किसी सूचना के सीधा दुकानों पर बुलडोजर चलाया कहीं से उचित नहीं है, इसका हम कड़ा विरोध करते है।उन्होंने दुकानदारों को कहा की सिर्फ 13 एवं 15 नवंबर को ही दुकान बन्द रखने को कहा गया है, इसके लिए घबराने की आवश्यकता नहीं है। वहीं वार्ड नंबर 19 के पार्षद चेतन कुमार ने फोन पर स्थानीय संवादाता से बात करते हुए कहा की सिखों के पर्व के उपरांत पुनः पूर्व के जैसे ही दुकान खुलेगा,, अभी तक किसी प्रकार की कोई पत्र जारी नहीं किया गया है। उन्होंने सभी को भाईचारे के साथ मिल जुल कर कार्य करने को कहा। निगम प्रशाशन ने बताया की एसडीओ के निर्देश पर ही बुलडोजर चलाया गया है। मौके पर सेराज कुरैशी, मो. मामदिन कुरैशी, वकील कुरैशी, एकबाल कुरैशी, कलाम कुरैशी, तबरेज कुरैशी, आलम कुरैशी, जमाल कुरैशी व अन्य लोग मौके पर उपस्थित थें।

शिक्षा के क्षेत्र में मौलाना आजाद योगदान अविस्मरणीय - एसडीएम

रमौलाना आजाद उत्कृष्ट शिक्षा सेवा सम्मान हुए सम्मानित

>> चिकित्सा के क्षेत्र में योगदान के लिए डा. अखलाक व साहित्य के क्षेत्र में डा सबा अख़्तर को मिला सम्मान

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

मोतिहारी। शिक्षा के क्षेत्र में देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना आजाद का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने स्वतंत्र में शिक्षा व्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान किया। श्रीमती श्वेता ने गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा की वकालत करते हुए कहा कि शिक्षक सभी बच्चों को अपना बच्चा समझें। समारोह को संबोधित करते हुए मेयर प्रीति गुप्ता ने कहा कि मौलाना आजाद ने नर-

नारी शिक्षा में भेदभाव के पक्षधर नहीं थे। उन्होंने सबों एक समान शिक्षा का अवसर प्रदान करने की वकालत की थी। 6 से 14 वर्ष के बच्चों को निः शुल्क व अनिवार्य शिक्षा उनके ही सोच का नतीजा है। मौके पर उप शिक्षा निदेशक माध्यमिक शिक्षा अब्दुस्सलाम अंसारी ने कहा कि मौलाना आजाद का व्यक्तित्व और कृतित्व हर दौर के लिए प्रसांगिक है। उनके कारनामों से नई पीढ़ी को अवगत कराना बेहद जरूरी है। श्री अंसारी ने कहा कि शिक्षा समग्र विकास कुंजी है। हाल के दिनों में शिक्षा की रोशनी समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचा है। छात्रों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा पहुंचाने में गुरू जनों की भूमिका बेहद है।

कला साधनक संगम कार्यक्रम में संगीताचार्य ने लोक गायन प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोहा

फर्रुखाबाद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जगप्रसाद तिवारी को किया गया सम्मानित

महोबा। फर्रूखाबाद में संस्कार भारती के तत्वावधान में आयोजित कला साधनक संगम कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा मनोनीत उत्तर प्रदेश संस्कृति एवं जनजाति संस्थान सदस्य पं0 जगप्रसाद तिवारी ने अपने लोक गायन से महोबा सहित संपूर्ण बुंदेलखंड का नाम रोशन किया है। संगीताचार्य द्वारा प्रस्तुत किए गए लोक गायन को उपस्थित लोग तालिया बजाने को मजबूर हो गए। अंत में संगीताचार्य को स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया।

संगीताचार्य ने अपने गायन में समसामयिक कर्तिक गीत लगत वृंदावन नी को आली मोये लगत वृंदावन नी को, घर घर तुलसी

ठाकुर पूजा भोग लगे मिसरी को सुनाया। इसके बाद उन्होंने विरहा गीत प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज मिले सजनन में मो खां हुत दिनन में, जिसे खूब सराहा गया। इसके बाद उनके द्वारा अन्य लोग गीत प्रस्तुत दर्शकों का मनोरंजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लोक गायन और गीत आम जनता का संगीत हैं. ये गीत घर गांव,और शहर की जनता के ही होता है। कहा किं. इनके लिए साधना की ?रूरत नहीं होती और इन्हें त्योहारों और खास मौकों पर गाया जाता है।कला साधनक संगम कार्यक्रम के मौके पर प्रांतीय संकार भारती पं0 विनोद कुमार द्विवेदी एवं संस्कार भारती फर्रूखाबाद जिलाध्यक्ष नवनीत गुप्ता ने संगीताचार्य जगप्रसाद तिवारी को स्मृति चिन्ह तथा शॉल ओढाकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के 300 संगीतज्ञ कलाकार तथा संस्कार भारतीय के प्रांतीय महामत्री सुरेंद्र पांडेय सहित तमाम राजनैतिक लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ फर्रूखाबाद सांसद मुकेश राजपूत ने किया।

सामूहिक रूप से 10 हजार से अधिक छात्राओं को दी जायेगी आत्मरक्षा ट्रेनिंग

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

रक्सौल। वीरगंज नेपाल के महानगरपालिका के द्वारा बुधवार को एक साथ सामूहिक रूप से 10 हजार से अधिक छात्राओं को आत्मरक्षा की ट्रेनिंग दी जायेगी। लिहाजा सफलता को लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है। मंगलवार को कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देने के लिए वीरगंज के एक होटल में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वीरगंज महानगरपालिका के मेयर राजेशमान सिंह ने बताया कि बेटियों को आत्मबल देना जरूरी है। बेटी सबल होगी तो, वह अपनी रक्षा खुद कर सकती है। इसी सोच के साथ हमलोगों ने इस ट्रेनिंग कार्यक्रम को रखा है। जिसमें भारत के प्रख्यात ट्रेनर चीता यजनेश शेट्टी अपनी टीम के साथ यहां पहुंचे है और बुधवार को छात्राओं को ट्रेनिंग देगें। उनकी कोशिश है कि इस ट्रेनिंग कैंप के माध्यम से बेटियों को सुरक्षा करने का

ज्ञान प्राप्त हो। कैंपस के अंदर 10 हजार छात्राओं को ट्रेंड करने का यह एक ऐतिहासिक मौका है। ट्रेनिंग कैंप के साथ ही यह रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होगा, जो अपने आप में गौरव का विषय है। इस ट्रेनिंग कैंप का आयोजन वीरगंज महानगरपालिका, नेपाल-भारत सहयोग मंच के साथ-साथ अन्य संस्थाओं के सहयोग से किया जा रहा है। इस अवसर पर अशोक वैद्य उप मेयर, इम्तेयाज आलम, गोपाल केडिया, राज ठाकुर उर्फ मास्टर थापा मौजूद थे।

बखरी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का 19 को होगा एनक्यूएएस मूल्यांकन

आ रही है राज्य स्तरीय टीम, जिला स्तर पर तैयारियाँ पूरी

मोतिहारी। एनक्यूएएस प्रमाणीकरण के लिए चयनित हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, बखरी का राज्यस्तरीय मूल्यांकन 19 नवंबर को होगा। इसमें टीकाकरण, ओपीडी, एनसीडी सेवा, ड्रग डिस्ट्रीब्यूशन, एनसीडी जांच, परिवार नियोजन, 12 प्रकार की जांच, साफ सफाई आदि मानकों पर मूल्यांकन की सम्भावना है जिसे सुदृढ़ किया गया है। सीएचओ महबूब अली ने बताया कि "कायाकल्प" से पुरस्कृत "बखरी हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर" पर बखरी पंचायत सहित सरैया गोपाल, महमादा, बेतुना व आस पड़ोस के गांव के मरीज स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करते हैं। जिले के डीपीसी भारत भूषण ने बताया कि राज्यस्तरीय टीम अंतरिम रूप से चयनित पताहीं प्रखंड के "हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर बखरी" का मूल्यांकन करने आ रही है। उन्होंने

बताया कि जिले के सभी 6 अनुमंडल के 1 स्वास्थ्य केंद्र का भी मूल्यांकन कराए जाने की संभावना है, इसके लिए जिलास्तर पर मॉनिटरिंग की जा रहीं है। डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने बताया कि राज्य स्तरीय सर्टिफिकेशन होने के बाद नेशनल सर्टिफिकेशन के लिए सक्षम पोर्टल के माध्यम से अप्लाई किया जाएगा। उसके बाद केंद्रीय टीम के द्वारा वर्चुअल या फिजिकल मोड में असेसमेंट किया जाएगा। 70% से ऊपर स्कोर मिलने पर नेशनल सर्टिफिकेशन मिलेगा। इसके बाद प्रतिवर्ष इस हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर को 1.26 लाख रुपए की राशि दी जाएगी जिसे अस्पताल के उन्नयन में खर्च किया जाएगा। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाना ही लक्ष्यः जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि उपलब्ध संसाधनों में क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाना ही लक्ष्य है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की टीम द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक सर्टिफिकेशन के लिए अस्पतालों का 8 मानकों पर मूल्यांकन किया जाता है। मूल्यांकन में खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही भारत सरकार द्वारा गुणवत्ता प्रमाण पत्र जारी किया जाता है।

बेतिया में मठ की 414 एकड़ जमीन पर पचार्धारियों ने अपना कब्जा किया।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। मार्क्सवादी की पश्चिम चंपारण जिला कमिटी के नेतृत्व में आज बकुलहर मठ के 414 एकड़ जमीन पर पर्चा मिले पचार्धारियों ने कब्जा

किया।अभी सैकड़ों एकड़ जमीन आज भी मठ और उनके दलालों के कब्जे में है।इस अवसर पर सभी जगहों पर बड़ी संख्या में पचार्धारी साथी मौजूद थे। साथ ही पार्टी का जिला नेतृत्व भी मौजूद था।पार्टी ने मांग किया कि जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी पचार्धारियों को जमीन कब्जा दिलाएं। इस मामले में जानकारी देते हुए सीपीएम के बिहार राज्य सचिव मंडल सदस्य प्रभुराज नारायण राव ने बताया कि पिछले 50 साल से ज्यादा दिनों से पर्चा मिले पचार्धारियों की जमीन पर कानून के सहारे गलत तरीके से मठ और उनके दलालों ने कब्जा कर रखा था।जबकि पर्चा का गजट भी हो चुका है ।जमीन पर पश्चिम चंपारण जिला समाहर्ता के न्यायालय में पिछले 15 अक्टूबर को पचार्धारियों के पक्ष में न्याय मिला है। उक्त अवसर पर जिला सचिव चांदसी प्रसाद यादव,जिला सचिवमंडल सदस्य प्रभुनाथ गुप्ता, हरेंद्र प्रसाद, मोहम्मद हनीफ, रामा यादव,चनपटिया लोकल कमिटी सदस्य बशिष्ठ राय,राजू बैठा ,म. सहीम, दोवा हकीम,डोमा प्रसाद,बबलू मियां, मनौवर अंसारी, नागेन्द्र पासवान जंगबहादुर,संजय पासवान आदि।

शिक्षकों पर टिका है देश का भविष्य: अखिल वैभव

>> शिक्षक दिवस पर शिक्षा सम्मेलन सह सम्मान समारोह का हुआ आयोजन
>> जयंती पर याद किए गए प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

मोतिहारी। शिक्षा मनुष्य के समग्र विकास की कुंजी है। शिक्षा के बिना विकसित समाज की परिकल्पना अधूरी है। उक्त बातें शिक्षा

दिवस के अवसर पर डा. जाकिर हुसैन उर्दू हाईस्कूल सिसवनिया के प्रांगण में आयोजित शिक्षा सम्मेलन सह शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए डीपीओ लेखा योजना सह बंजरिया बीईओ अखिल वैभव ने कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रचार-प्रसार में शिक्षकों की भूमिका अहम है। शिक्षकों पर ही देश का भविष्य टीका है। शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन स्वागत योग्य कदम है। वहीं कार्यक्रम के आयोजक ई. तौसीफुर्रहमान ने शिक्षा के क्षेत्र में मौलाना आजाद कारनामों का जिक्र करते हुए कहा शिक्षा सेवा ही वास्तव में मानव सेवा है। रचनात्मक व सकारात्मक कार्य करने वाले शिक्षकों का उत्साहवर्धन जरूरी है। इससे शिक्षकों में नई उर्जा का संचार होता है। उन्होंने कहा कि हाल दिनों शिक्षा की स्थिति बदली है। समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता आई है। जनप्रतिनिधियों को भी इस दिशा में सकारात्मक पहल करनी चाहिए। मौके पर प्रखंड क्षेत्र के 20 कर्तव्यनिष्ठ शिक्षकों को मोमेंटो और शाल भेंट मौलाना आजाद उत्कृष्ट शिक्षा सेवा सम्मान से नवाजा गया। मौके पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी शशिभूषण तिवारी, जिप उपाध्यक्ष पति अखिलेश्वर प्रसाद, डा. मंजर नसीम, डा. अकील अहमद, डा. एस एम मिन्नतुल्लाह, डा. ताहिरा तबस्सुम, डा. अफसर जमील, डा. समीर अहमद, डा. मुज्तबा नवाज, क्षेत्रीय मुखिया मो. सलवातुल्लाह, फखरे आलम चम्पारणी, पूर्व पंसस अजीजुर्रहमान आदि मौके पर शिक्षक प्रकाश मणि, नरेंद्र शर्मा, संजीत कुमार, अनिरुद्ध प्रसाद, एजाजुल हक, अबरारूल हक, प्रमोद कुमार, हरेन्द्र कुमार, मोहम्मद अमानुल्लाह, सुबोध कुमार, सारिका तिवारी, सुप्रिया सिंह आदि को मौलाना आजाद उत्कृष्ट शिक्षा सेवा सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि डा. अख्तर शोख व धन्यवाद ज्ञापन डा. अकील अहमद ने किया।

जम्मू के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए नायब सूबेदार राकेश कुमार को वायुसेना स्टेशन पर सेना के जवानों ने अंतिम श्रद्धांजलि दी।

सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया

रूसी उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव से मिले प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी, नई दिल्ली

रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव भारत के दौरे पर हैं। सोमवार को उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं आर्थिक संबंधों, ऊर्जा और संपर्क जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इससे विदेश मंत्री एस जयशंकर और डेनिस मंटुरोव ने मुंबई में भारत-रूस बिजनेस फोरम में रूसी और भारतीय व्यवसायों के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह मुलाकात मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले अंतर-सरकारी रूसी-भारतीय आयोग के 25वें सत्र से पहले हुई।

अजीत पवार ने चुनाव से पहले ही भाजपा से नाता तोड़ा

इंडिया से गेट

एक साक्षात्कार में अजीत पवार ने कह दिया है कि वह भाजपा के 'बंटोगे तो कटोगे' नारे से सहमत नहीं हैं।

अजय सेतिया की कलम से

महाराष्ट्र किसानों की सबसे ज्यादा आत्महत्याओं वाला प्रदेश है। और, महाराष्ट्र की यह दुर्दशा कोई पिछले 10 साल में नहीं बनी है। महाराष्ट्र की यह स्थिति 20 साल पहले कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों सुशील कुमार शिंदे और विलासराव देशमुख के समय से बननी शुरू हुई थी। महाराष्ट्र के विकास की स्थिति विचित्र है कि सबसे धनाढ्य लोग भी महाराष्ट्र में रहते हैं तो सबसे ज्यादा गरीब भी महाराष्ट्र में ज्यादा है। शरद पवार जैसे सबसे ज्यादा अमीर किसान भी महाराष्ट्र में हैं और कर्ज में डूबे किसानों की आत्महत्याएं भी सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में हुई हैं। भाजपा उसी महाराष्ट्र में अपनी राजनीतिक आत्महत्या की रणनीति पर चल रही है। महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव नतीजा भविष्य की देश की राजनीति का केंद्र बिन्दु बनेगा। अगर भाजपा का गठबंधन हार जाता है तो हरियाणा में बनी उसकी बढ़त खत्म हो जाएगी। अगर भाजपा का गठबंधन जीत जाता है तो लोकसभा चुनाव में बनी इंडी गठबंधन की हवा निकल जाएगी। इसलिए अपनी बढ़त बनाने के लिए दोनों गठबंधनों ने अपनी सारी ताकत झोंक दी है। लोकसभा चुनाव नतीजों ने बताया था कि कांग्रेस का गठबंधन, जिसे वहां महा विकास आघाड़ी कहते हैं, उसने वहां बढ़त बनाई थी, उसे 48 में से 30 सीटें मिलीं। भाजपा का गठबंधन, जिसे वहां महायुति कहते हैं, वह पिछड़ गई थी। महायुति को 48 में से 18 सीटें मिलीं थीं। उतर प्रदेश के बाद भाजपा को सबसे बड़ा झटका महाराष्ट्र से लगा था। इसलिए भाजपा को महाराष्ट्र में रणनीति को बदलनी चाहिए थी। लोकसभा चुनाव में अजीत पवार सबसे कमजोर कड़ी साबित हुए थे। अलबत्ता भाजपा के भीतर भी ऐसे कई नेता हैं, जो मानते हैं कि भाजपा अजीत पवार के कारण हारी। भाजपा को अपनी इस कमजोर कड़ी से नाता तोड़ लेना चाहिए था। लेकिन, भाजपा ने ऐसा नहीं किया। बल्कि, गठबंधन में उसे थोड़ी बहुत नहीं, 53 सीटें दे दी। इसके अलावा अजीत पवार ने शिवाजी नगर सीट पर धोखे से शिवसेना के सामने नवाब मलिक को टिकट दे दिया। हालांकि, नवाब मलिक और समाजवादी पार्टी के अबु आजमी के मुकाबले में शिवसेना बाजी मार कर ले जा सकती है। लेकिन, मलिक के बाद अजीत पवार ने अब नया दांव चल दिया है। इंडियन एक्सप्रेस को दिए साक्षात्कार में उन्होंने कह दिया है कि वह भाजपा के 'बंटोगे तो कटोगे' नारे से सहमत नहीं हैं। इसलिए वह अपनी 53 सीटों पर योगी आदित्यनाथ, अमित शाह और नरेंद्र मोदी को भी प्रचार के लिए नहीं बुलाएंगे। क्योंकि, नरेंद्र मोदी ने भी उसी तर्ज पर कहा कि 'एक रहोगे, तो सेफ रहोगे'। अजीत पवार से दूरी भाजपा को बनानी चाहिए थी, क्योंकि वह उसे नुकसान पहुंचा रहे हैं। लेकिन, उलटे अजीत पवार ने भाजपा से दूरी बना ली है। और, यह दूरी विचारधारा में टकराव के कारण बनाई है। भाजपा को शायद समझ नहीं आ रहा हो, लेकिन सच यह कि अजीत पवार ने यह बयान देकर महाविकास आघाड़ी में जाने का रास्ता खोल लिया है। स्वाभाविक है कि उन 53 सीटों पर भाजपा के वर्कर अजीत पवार को जिताने के लिए काम नहीं करेंगे। यह बात मैं पहले भी कह चुका हूं, उसे दोहराता हूं कि भाजपा ने 53 सीटें कूड़ेदान में डाल दी हैं। चुनाव के बाद अजीत पवार उस गठबंधन के साथ जाएंगे, जो उन्हें मुख्यमंत्री बनाएगा। 53 सीटें अजीत पवार को देने की बजाए भाजपा और शिवसेना आपस में बांट लेती तो चुनाव नतीजे 2014 जैसे आते। जब भाजपा अकेले लड़कर 122 सीटें जीत गई थी और शिवसेना अकेले लड़कर 63 सीटें जीती थी। इस बार भाजपा शिवसेना मिलकर आसानी से 144 का आंकड़ा पार कर लेते। अगर भाजपा अजीत पवार को गठबंधन में शामिल न करती तो बंटोगे तो कटोगे का नारा, हरियाणा की तरह महाराष्ट्र में भी बहुमत का मंत्र बन जाता। हालांकि, अभी नहीं कहा जा सकता कि चुनाव नतीजे क्या आएंगे, लेकिन चुनावों से पहले ही महायुति में पैदा हुई फूट नतीजों की इबारत लिख रही है। बंटोगे, तो कटोगे विचारधारा के टकराव का मुद्दा बन चुका है। बांग्लादेश से लेकर कनाडा तक के हिन्दू यह नारा लगा रहे हैं। इस नारे ने राहुल गांधी की जाति आधारित जनगणना का सटीक जवाब दिया है, जिसका असर हरियाणा के विधानसभा चुनाव में दिखा, हारती हुई भाजपा जीत गई। भाजपा का यह नारा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के लिए बड़ा सिर दर्द बन गया है। मल्लिकार्जुन खड़गे से लेकर अखिलेश यादव तक इस नारे का जवाब ढूंढ रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि यह नारा जय श्रीराम के नारे का नया रूप है, जिसने भाजपा को राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस का विकल्प बना कर खड़ा कर दिया था। देखते हैं, अजीत पवार क्या गुल खिलाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ठाणे में 3.7 करोड़ रुपये नकद जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले ठाणे जिले में अधिकारियों ने एक बिल्डर के बंगले और एक वाहन से 3.7 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सोमवार रात नवी मुंबई के नेरुल इलाके में स्थित एक बंगले पर छापा मारा और वहां से ढाई करोड़ रुपये नकद जब्त किए। उन्होंने कहा कि धन का स्रोत क्या है और यह किसका है, इसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य अभियान के दौरान उड़न दस्ते और पुलिस ने सोमवार को बापगांव के समीप भिवंडी से कल्याण की ओर जा रहे नकदी ले जाने वाले एक वाहन को रोका और उसमें से 1.2 करोड़ रुपये जब्त किए।

बाबा सिद्दीकी नहीं तो बेटे को उड़ा देने का था आदेश

मुंबई। बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल मुख्य आरोपी शिवकुमार गौतम उर्फ शिव ने एसटीएफ और मुंबई पुलिस की पूछताछ में कई राज उगले हैं। 25 साल से कम उम्र के शिवकुमार ने खुलासा किया है वह बाबा सिद्दीकी को गोलियां मारने के बाद भीड़ भरे इलाके में डेढ़ घंटे तक घटनास्थल के आसपास ही घूमता रहा था। इसके बाद शिव कुमार ने पिस्टल फेंककर टीशर्ट बदल ली थी और घटनास्थल के आसपास ही घूमता रहा, जबकि उसके दो साथी मौके पर ही पकड़े गए थे। इस हत्याकांड को अंजाम देने के पीछे सबसे बड़ा मकसद बॉलीवुड और मुंबई में दहशत फैलाकर बड़े पैमाने पर गुंडा टैक्स वसूली था। जानकारी के मुताबिक, स्नैप चैट पर लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की साजिश रचने के दौरान शिव कुमार से कहा था कि अगर बाबा सिद्दीकी न मिले तो उसके बेटे जीशान सिद्दीकी को ही उड़ा देना। एसटीएफ व मुंबई स्पेशल क्राइम ब्रांच की पूछताछ में शिव कुमार ने ये बातें बताई हैं।

वायु प्रदूषण से दिल्लीवासी परेशान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सर्दियों के आते ही प्रदूषण की समस्या आम हो जाती है। पिछले कुछ दिनों से खासकर दीपावली के बाद से यहां पर लोगों को सांस लेने में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। एक राहगीर अजय कुमार ने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि बढ़ते प्रदूषण के कारण पूर्वी दिल्ली के पॉश इलाकों में भी लोगों को परेशानी हो रही है। बच्चे, बूढ़े और जवान सभी को सांस लेने में परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रदूषण के कारण दिल्ली के लोगों की जिंदगी बहुत बुरे हाल में बीत रही है। अगर कहीं, ट्रैफिक में रुक जाओ, तो वहां सांस नहीं ली जाती है।

45 मिनट चली मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए

मणिपुर में मुठभेड़ के दौरान 11 उग्रवादी ढेर

- दो जवान गंभीर रूप से घायल, पांच लोग लापता
- उग्रवादियों ने पुलिस स्टेशन पर हमला करने की कोशिश की

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में हिंसा की आग थम नहीं रही। जिरीबाम जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 10 उग्रवादी मारे गए। पुलिस के अनुसार, अपराह्न करीब 3 बजे हथियारबंद उग्रवादियों ने जाकुरधोर स्थित सीआरपीएफ पोस्ट और पास में स्थित बोरोबेकरा थाने पर हमला किया। सुरक्षाबलों की जवाबी कार्रवाई के बाद हालात पर काबू पाया जा सका। करीब 45 मिनट चली मुठभेड़ में दो जवान घायल हुए। सीआरपीएफ कांस्टेबल संजीव कुमार को गोली लगी है। उनका इलाज जारी है। वहीं, मारे गए उग्रवादियों से 3 एके राइफल, 4 एसएलआर, 2 इंसास, 1 आरपीजी, 1 पंप एक्शन गन, बीपी हेलमेट और मैगजीन बरामद की गई। इस मामले में केस दर्ज कर जांच की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस थाने के परिसर में मौजूद राहत शिविर में रहने वाले 5 लोग लापता हैं। इनकी तलाश जारी है।

हमला के बाद आसपास की बस्तियों में आग लगाया

बताया जा रहा है कि पुलिस स्टेशन पर हमला करने के बाद संदिग्ध कुकी उग्रवादी, उसी एरिया में करीब एक किलोमीटर दूर जकुराडोर करोंग में स्थित एक छोटी बस्ती में फैल गए। इसके बाद उन्होंने घरों में आग लगाना शुरू कर दिया। सुरक्षाबलों को भी निशाना बनाना शुरू किया। सीआरपीएफ ने जिरीबाम में अतिरिक्त फोर्स भेजा है। कुकी सिविल सोसाइटी ग्रुप्स ने अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों को बंद करने का एलान किया है। गोलीबारी के बाद सुरक्षाबलों ने आरपीजी और एके सीरीज के हथियार बरामद किए हैं। जिरीबाम में लगातार तनाव बना हुआ है।

जिरीबाम में आज बंद का ऐलान

कुकी संगठन ने आज बंद का ऐलान किया कुकी जो काउंसिल संगठन ने मारे गए लोगों को विलेज वालंटियर (गांव की रक्षा करने वाले) बताया। कुकी-जो काउंसिल ने पीड़ितों के सम्मान में और हमारे सामूहिक दुख और एकजुटता को व्यक्त करने के लिए 12 नवंबर को सुबह 5:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक पूर्ण बंद की घोषणा की है। कुकी-जो काउंसिल की ओर से कहा गया कि हमारे बहुमूल्य ग्राम स्वयंसेवकों की हत्या न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे कुकी-जो समुदाय के लिए एक विनाशकारी झटका है।

मुठभेड़ 40-45 मिनट तक चली

अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में भारी गोलीबारी शुरू हो गई और 11 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ 40-45 मिनट तक चली, जिसके बाद स्थिति को नियंत्रण में लाया गया। उग्रवादियों की धरपकड़ के लिए अभियान जारी है और असम राइफल्स, सीआरपीएफ तथा पुलिस की अतिरिक्त बलों की टीमों को घटनास्थल पर भेजा गया है। सोमवार शाम को इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों के विभिन्न गांवों से हिंसक झड़पों की सूचना मिली।

डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया

व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडन का होगा आमना-सामना

एजेंसी, वॉशिंगटन

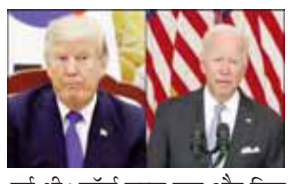

डोनाल्ड ट्रंप का शपथ ग्रहण समारोह जनवरी में होना है। हालांकि सत्ता हस्तांतरण की प्रक्रिया व्हाइट हाउस में शुरू हो चुकी है। इसी के तहत राष्ट्रपति बाइडन ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया है। गौरतलब है कि यह बीते तीन दशकों में पहली बार होगा, जब एक निवर्तमान राष्ट्रपति और नए चुने गए ऐसे राष्ट्रपति के बीच व्हाइट हाउस में औपचारिक मुलाकात होगी, जिनके बीच चुनाव अभियान के दौरान प्रतिस्पर्धा हुई थी। गौरतलब है कि इससे पहले साल 1992 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश और डेमोक्रेट नेता और नए चुने गए राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के बीच व्हाइट हाउस में मुलाकात हुई थी। जॉर्ज डब्लू बुश और बिल क्लिंटन ने भी एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस बार बाइडन ने ट्रंप के साथ ही उनकी पत्नी मेलानिया ट्रंप को भी व्हाइट हाउस आमंत्रित किया है। साल 2020 में जब ट्रंप को हराकर बाइडन राष्ट्रपति चुने गए थे तो उस वक्त सत्ता हस्तांतरण को लेकर काफी हंगामा हुआ था। उस वक्त ट्रंप ने बाइडन को सत्ता हस्तांतरण की इस औपचारिक प्रक्रिया के लिए व्हाइट हाउस आमंत्रित नहीं किया था और बाइडन से शपथ ग्रहण से पहले ही ट्रंप व्हाइट हाउस छोड़कर चले गए थे।

जेल में बंद गैंगस्टर कौशल चौधरी की पत्नी गिरफ्तार

गुरुग्राम। पुलिस ने सोमवार को जेल में बंद गैंगस्टर कौशल चौधरी की पत्नी मनीषा को एक होटल मालिक से दो करोड़ रुपये की जबरन वसूली की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कौशल चौधरी और अमित डागर गिरोह की ओर से कथित तौर पर काम करते हुए मनीषा ने होटल मालिक से फोन पर कहा कि पैसे नहीं मिलने पर वे होटल पर गोलीबारी कर देंगे। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी गई। उन्होंने बताया कि उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुरुग्राम पुलिस ने सोमवार को मनीषा को शहर की एक अदालत में पेश किया, जहां से उसे छह दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया गया।

क्षमताओं को बढ़ाने की बात पर जोर दिया

भारत में पहली बार तीनों सेनाएं करेंगी अंतरिक्ष अभ्यास

एजेंसी, वॉशिंगटन

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने भारतीय सेना के द्वारा नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक विदेश सेवा अताशे ब्रीफिंग में भाग लिया। जहां उन्होंने भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को बढ़ाने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं का पूरा फायदा उठाने के लिए नए-नए विचरों और प्रक्रियाएं विकसित करने पर ध्यान देना होगा। बता दें कि सोमवार को भारतीय सेना ने नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में वार्षिक विदेश सेवा अताशे ब्रीफिंग आयोजित की। जिसमें कुल 64 देशों के रक्षा अताशे शामिल हुए, जिन्होंने वैश्विक सुरक्षा के समकालीन मुद्दों और भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा हुई। जानकारी के अनुसार जनरल अनिल चौहान ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एक नया अंतरिक्ष अभ्यास शुरू किया। इस अभ्यास के जरिए तीनों सेनाएं मिलकर अपने अंतरिक्ष संसाधनों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करेंगी, जिससे भविष्य की रक्षा में अत्याधुनिक तकनीकों का समावेश होगा। इसके साथ ही सीडीएस जनरल ने अंतरिक्ष युद्ध में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि अंतरिक्ष की संपत्तियों पर नियंत्रण से राष्ट्रीय सुरक्षा को सीधा लाभ होता है। उन्होंने अंतरिक्ष प्रणालियों को सुरक्षित रखने और कमजोरियों से बचाव करने की आवश्यकता पर बल दिया।

ट्रंप अगले चार वर्षों में जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान को भिखारी बना देगा।

अमेरिका। ट्रंप के सभी वफादार दोस्त और तथाकथित भाई आगामी चार वर्षों के शासन में सबसे अधिक पीड़ित होंगे। ट्रंप एक खून चूसने वाला व्यक्ति है और उन देशों को लूटेगा जो उसे अपना रक्षक मानते हैं। जापान, ताइवान और दक्षिण कोरिया सबसे अधिक प्रभावित होंगे और 2028 के अंत तक भिखारी बन जाएंगे। ईरान सबसे अधिक खुश है क्योंकि ट्रंप पहले ट्रंप कॉरपोरेशन के मालिक हैं और पिछले राष्ट्रपति कार्यकाल में केवल ट्रंप को ईरान के साथ अरबों डॉलर का कारोबार करने की अनुमति थी, जबकि बाकी अमेरिका पर ईरान के साथ व्यापार करने पर प्रतिबंध था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि 'जलवायु आपदाएं स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही

2024 अब तक का सबसे गर्म साल बनने की राह पर, डब्ल्यूएमओ ने जारी की चेतावनी

एजेंसी, वॉशिंगटन

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) ने चेतावनी जारी की है कि साल 2024 अब तक का सबसे गर्म वर्ष बनने जा रहा है। इस दौरान वैश्विक तापमान एक अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ सकता है। यह चेतावनी संयुक्त राष्ट्र के जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (कॉप-29) के उद्घाटन दिवस पर जारी एक रिपोर्ट के जरिये दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत सतह तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.54 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह तापमान वृद्धि अल नीनो घटना और बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण हो रही है, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को और भी गंभीर बना रहे हैं। 'जलवायु की स्थिति 2024' शीर्षक वाली रिपोर्ट, ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न बढ़ते खतरों पर प्रकाश डालती है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि 'जलवायु आपदाएं स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा रही हैं, असमानताएं बढ़ा रही हैं, विकास को नुकसान पहुंचा रही हैं, और शांति के लिए खतरा पैदा कर रही हैं।' उन्होंने इन बदलावों से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए तुरंत जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। रिपोर्ट की एक प्रमुख खोज अभूतपूर्व तापमान वृद्धि को दर्शाती है। 2024 के पहले नौ महीनों में वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 1.54 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था, जो अस्थायी रूप से पेरिस समझौते में निर्धारित 1.5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पार कर गया। हालांकि, लंबे समय में तापमान वृद्धि 1.3 डिग्री सेल्सियस के आसपास बनी हुई है, विशेषज्ञों ने चेतावनी जारी कि है कि डिग्री का प्रत्येक अंश चरम मौसम की घटनाओं की तीव्रता और जलवायु जोखिमों को बढ़ाता है।

समुद्री जीवन और तटीय समुदायों पर पड़ेगा दीर्घकालिक प्रभाव

समुद्र की गर्मी भी बढ़ी है, जो 2023 में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंची और 2024 में भी कम होने का कोई संकेत नहीं दिखा रहा है। महासागरों ने ग्लोबल वार्मिंग से उत्पन्न 90 फीसदी अतिरिक्त ऊर्जा को अवशोषित कर लिया है, जिससे समुद्री जीवन और तटीय समुदायों पर दीर्घकालिक असर पड़ेगा। साथ ही, समुद्र का बढ़ता तापमान चरम मौसम की घटनाओं को और भी बढ़ा रहा है। ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र का स्तर भी दोगुना तेजी से बढ़ रहा है।

जलवायु अनुकूलन की आवश्यकता पर जोर

डब्ल्यूएमओ के महासचिव सेलेस्टे सौलो ने जलवायु अनुकूलन की जरूरत पर जोर दिया, खासकर उन समुदायों के लिए जो जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इसके लिए (ईडब्ल्यू4ऑल) जैसी पहल शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य उन समुदायों को चरम मौसम की घटनाओं से बचाने के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली उपलब्ध कराना है।

संपादकीय

महाराजा महिंद्रा सिंह, पटियाला के महान महाराजा और दुनिया में फारसी भाषा और साहित्य के सबसे बड़े प्रेमी और रक्षक।

आधुनिक विश्व इतिहास में पहला फारसी विभाग। आधुनिक विश्व इतिहास में फारसी का पहला विभाग महान महाराजा पटियाला, महाराजा महिंद्रा सिंह ने 1874 में पटियाला के महिंद्रा कॉलेज में स्थापित किया। 1857 की पहली स्वतंत्रता संग्राम के बाद, 1860 में पंजाब के पहले आधुनिक स्कूल में फारसी को पेश किया गया, जब साम्राज्यवादी ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने भारत पर विजय प्राप्त की और ब्रिटिश शासन के अधीन भारत ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा बन गया। 1857 में, भारत के ब्रिटिश शासकों ने भारत में मार्शल लॉ लागू किया और लाखों बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों को निर्दयता से मार दिया गया। ब्रिटिश शासकों ने 1857 में भारत के सभी सरकारी विभागों में फारसी के प्रयोग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन फारसी भाषा और साहित्य से प्रेम करने वाले महान महाराजा महिंद्रा सिंह, पटियाला के सिख साम्राज्य के शासक ने 1860 में पटियाला में महाराजा महिंद्रा सिंह हाई स्कूल की स्थापना की, जहां 12वीं कक्षा तक फारसी पढ़ाई जाती थी। भारत और विश्व इतिहास में फारसी के महान प्रेमी, महाराजा महिंद्रा सिंह, जिन्होंने 1852 से 1876 तक पटियाला साम्राज्य पर शासन किया, उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवादी सरकार की कड़ी विरोध के बावजूद पटियाला के सिख साम्राज्य में फारसी को प्रोत्साहित किया। महिंद्रा कॉलेज, जो कि 1874 में महाराजा महिंद्रा सिंह द्वारा स्थापित किया गया, ने फारसी के लिए एक विशेष विभाग की स्थापना की, जो भारतीय और विश्व इतिहास में फारसी का पहला विभाग था। 1860 से 1922 तक पटियाला के महाराजा महिंद्रा कॉलेज उत्तरी भारत में एकमात्र कॉलेज था जहाँ स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री प्रदान की जाती थी। 1860 से 1922 तक दिल्ली से लाहौर तक केवल पटियाला के महाराजा महिंद्रा सिंह कॉलेज में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्रियाँ दी जाती थीं।

पाठकवाणी

समाज के लिए नाट्य कला का बड़ा महत्व

नाटक और समाज का संबंध 2500 वर्षों से चला आ रहा है। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा हम आसानी से अपनी भावनाओं व प्रतिक्रियाओं को प्रदर्शित करते हैं और इतना ही नहीं मनोरंजन के साथ-साथ अपनी समस्याओं का समाधान व भविष्य को लेकर सार्थक मंथन करते हैं। सदियों से चली आ रही नाट्य विद्या के साथ-साथ अपने समाज को प्रगति के पथ पर भी अग्रसर करते आये हैं और आज भी हम लोगों को जागरूक करने के लिए इसका प्रयोग करते हैं।

-**संदीप कुमार**, मधुपुर (झारखंड)

संक्रमित फसल जानलेवा

मध्य प्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 10 हाथियों की संदिग्ध मौत पर से आखिरकार पर्दा उठ ही गया। संक्रमित फसल खाने से हाथियों की मौत ने तमाम आशंकाओं को जन्म दे दिया था जो राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में थी। पकी फसल भी कभी-कभी जहर बन जाती है जो लापरवाही के चलते पशुओं की जान ले लेती है। यह कोई पहला मामला नहीं है। मद्रास (चेन्नई) में इसके पूर्व 1933 में भी कोदो बाजार की फसल खाने से 14 हाथियों की मौत हो गई थी। इसी तरह पका हुआ सोयाबीन भी गाय, भैंस, बैल, बकरी आदि चौपायों के लिए जानलेवा साबित होता है जिसकी सावधानी अपेक्षित है।

-**अमृतलाल मारू 'रवि'**, इंदौर

कुछ खास

मैं जेल में था तो बहुत लोगों ने कहा कि अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बनाएंगे। मैं परिवारवाद नहीं करता। मेरा कोई रिश्तेदार राजनीति में नहीं है। जिसे भी टिकट देंगे सोच समझकर देंगे। 70 की 70 सीट पर केजरीवाल ही चुनाव लड़ेगा।

-**अरविंद केजरीवाल**, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री

आज का ट्वीट

''योगी ने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे। यूपी के युवाओं ने कहा ठीक है चलिए नहीं बंटते। हिंदू और मुसलमान एक हुए, छात्र और मजदूर एक हुए और इलाहाबाद में हल्ला बोल दिया।''

-आवेश तिवारी

साइबरवर्ल्ड

बंटेंगे तो कटेंगे का विरोध

किसी भी चुनाव के नजदीक आने पर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की अपनी चिर-परिचित रणनीति एवं परम्परा के अनुपालन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'बंटेंगे तो कटेंगे' का नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले दिनों हरियाणा में हुई एक चुनावी प्रचार रैली में दिया गया था। हरियाणा में भाजपा को मिली सफलता से माना जा रहा था कि महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भी इसका इस्तेमाल होगा, लेकिन जिस प्रकार से इस नारे का विरोध भाजपा के सहयोगी दलों ने कर दिया है, उससे लगता है कि इस नारे और इस तरह के अन्य नारों से उसे परहेज करना अपरिहार्य हो जाएगा। इन दोनों राज्यों के साथ देश में कई जगहों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं, लेकिन लगता है कि खुद भाजपा ही अब इस 'बंटेंगे तो कटेंगे' के नारे को ठंडे बस्ते में डाल देगी। वैसे देश में नफरत भरे नारे देने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'बंटेंगे तो कटेंगे' के प्रति नाराजगी को भांपते हुए नया नारा पेश कर दिया है-'एक हैं तो सेफ हैं', जिसे आदित्यनाथ के ही नारे का संशोधित संस्करण कहा जा सकता है। अब देखना यह है कि चाहे 'बंटेंगे तो कटेंगे' हो या फिर 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा भाजपा को इन दोनों राज्यों के विधानसभाओं चुनावों के साथ कुछ प्रदेशों में होने जा रहे उपचुनावों में कितना फायदा दिलाते हैं। इनमें योगी का अपना राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है। योगी आदित्यनाथ के नारे का सबसे पहला विरोध महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से दर्ज हुआ है। इस दल के मुखिया अजित पवार ने कहा कि यह नारा 'उप्र या झारखंड में चलता होगा, यहां महाराष्ट्र में नहीं चलेगा क्योंकि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले की धरती है।' उन्होंने साफ किया कि उनका विश्वास 'सबका साथ सबका विकास' में है। उन्होंने इस पर भी रोष जताया कि 'बाहरी लोग आकर ऐसी बातें कह जाते हैं।' उल्लेखनीय है कि भाजपा इस नारे में न केवल भरोसा करती है, बल्कि इस सिद्धांत पर चलने का प्रयास भी करती है। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र में वह राजनीति नाकाम हो गयी; और इसका भी श्रेय अजित पवार को ही जाता है।

-**पलाश सुरजन** की फेसबुक वॉल से

चुनौती बनते सड़क हादसे

शाहीन सबा

यूं तो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने वाली सड़कें देश के विकास में अहम भूमिका निभा रही हैं, लेकिन आए दिन होने वाले सड़क हादसे कई सवालिया निशान भी खड़े कर रहे हैं। ये सड़क हादसे भारत जैसे विकासशील देश के लिए चुनौती बने हुए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पिछले साल वैश्विक सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान एक रिपोर्ट प्रस्तुत की थी, जिसके अनुसार वैश्विक स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष 1.35 मिलियन से अधिक मौतें होती हैं और 50 मिलियन से अधिक लोगों को गंभीर शारीरिक चोटें आती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली कुल मौतों में से 11 प्रतिशत भारत में होती हैं। भारत के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वर्ष 2018 में आधिकारिक तौर पर करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं। रिपोर्ट कहती है कि विश्व भर में सड़क दुर्घटनाओं के कारण प्रत्येक 23 सेकंड में एक व्यक्ति की मृत्यु होती है।

सड़क दुर्घटनाओं के कारण भारत को होने वाले नुकसान को लेकर विश्व बैंक के आकलन के अनुसार, 18-45 आयु वर्ग के लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर सर्वाधिक 69 प्रतिशत है। इसके अलावा 54 प्रतिशत मौतें और गंभीर चोटें मुख्य रूप से संवेदनशील वर्गों जैसे पैदल यात्री, साइकिल चालक और दोपहिया वाहन सवार आदि में देखी जाती हैं। भारत में 5-29 वर्ष आयु-वर्ग के बच्चों और युवा वयस्कों में सड़क दुर्घटना मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है। वर्ष 2017 में तमिलनाडु में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई थीं, किंतु सड़क दुर्घटना में मारे गए लोगों की संख्या उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक थी। वहीं विश्व सड़क सांख्यिकी के अनुसार, साल 2018 में सड़क दुर्घटना से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में पहले स्थान पर था। इसके बाद चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका का नंबर आता है। वहीं वेनेजुएला में प्रति एक लाख जनसंख्या पर मारे गए व्यक्तियों की दर डराने वाली है।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा।

केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, देश भर में होने वाली कुल सड़क दुर्घटनाओं में से 76 प्रतिशत दुर्घटनाएं ओवर स्पीडिंग और गलत साइड पर गाड़ी चलाने जैसे यातायात नियमों के उल्लंघन के कारण होती हैं। वहीं कुल सड़क दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों और पैदल चलने वालों की हिस्सेदारी सबसे अधिक है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसके बावजूद सड़क यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन के दौरान इस विषय पर ध्यान नहीं दिया जाता। भारत में सड़क यातायात इंजीनियरिंग और नियोजन केवल सड़कों को विस्तृत करने तक ही सीमित है, जिसके कारण कई बार सड़कों और राजमार्गों पर ब्लैक स्पॉट बन जाते हैं। ब्लैक स्पॉट वे स्थान होते हैं, जहां सड़क दुर्घटना की संभावना सबसे अधिक रहती है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली 80 प्रतिशत मौतों के लिए वाहन चालक प्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार होते हैं। यह तथ्य देश में अच्छे ड्राइविंग स्कूलों की कमी की ओर भी इशारा करता है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की भारत में सड़क दुर्घटनाएं शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2022 में देश में कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 1,68,491 लोगों ने अपनी जान गंवाई और कुल 4,43,366 लोग घायल हो गए। विगत वर्षों की तुलना में दुर्घटनाओं में 11.9 प्रतिशत, मृत्यु में 9.4 प्रतिशत और घायल लोगों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं 32.9 प्रतिशत दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर, 23.1 प्रतिशत राज्य राजमार्गों पर एवं शेष 43.9 प्रतिशत अन्य सड़कों पर हुईं। 36.2 प्रतिशत मौतें राष्ट्रीय राजमार्गों पर, 24.3 फीसदी राज्य राजमार्गों पर और 39.4 प्रतिशत अन्य सड़कों पर हुईं। दुर्घटना का शिकार होने वाले लोगों में 18 से 45 वर्ष के आयु वर्ग के युवा वयस्कों की संख्या 66.5 प्रतिशत थी। इसके अलावा 18-60 वर्ष के कामकाजी आयु-वर्ग के व्यक्ति सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली कुल मौतों का 83.4 फीसदी हिस्सा थे।

रिपोर्ट कहती है कि सड़क दुर्घटना में लगभग 68 प्रतिशत मौतें ग्रामीण क्षेत्रों में हुईं, जबकि कुल दुर्घटना मौतों में शहरी क्षेत्रों का योगदान 32 फीसदी रहा। कुल दुर्घटनाओं और मृत्यु दर दोनों में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी सर्वाधिक रही। कार, जीप और टैक्सियों सहित हल्के वाहन दूसरे स्थान पर रहे। वहीं कुल मृत्यु के मामलों में दोपहिया सवारों की हिस्सेदारी सबसे अधिक थी, जो सड़क दुर्घटनाओं में मारे गए 44.5 प्रतिशत व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व करती है। वहीं 19.5 फीसदी मौतों के साथ पैदल सड़क उपयोगकर्ता दूसरे स्थान पर रहे। बकौल रिपोर्ट, सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएं तमिलनाडु में 13.9 प्रतिशत दर्ज की गईं। इसके बाद 11.8 प्रतिशत के साथ मध्य प्रदेश का स्थान आता है। सड़क दुर्घटनाओं के कारण सबसे अधिक मौतें उत्तर प्रदेश में 13.4 प्रतिशत हुईं। इसके बाद तमिलनाडु 10.6 फीसदी के साथ दूसरे स्थान पर रहा। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या पिछले साल दर्ज सड़क दुर्घटनाओं की संख्या की तुलना में कम थी।

यूं तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केंद्र सरकार अपने स्तर पर काफी प्रयास कर रही है, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पा रहे हैं। सड़क सुरक्षा के बारे में प्रभावी जन जागरूकता बढ़ाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से मीडिया के सभी माध्यमों द्वारा विभिन्न प्रचार उपाय एवं जागरुकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके अलावा मंत्रालय सड़क सुरक्षा समर्थन के संचालन के लिए विभिन्न एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए भी योजना का संचालन कर रहा है। इंजीनियरिंग योजना स्तर पर सड़क सुरक्षा को सड़क डिजाइन का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। सभी राजमार्ग परियोजनाओं का सभी चरणों में सड़क सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने वाहन की अगली सीट पर ड्राइवर की बगल में बैठे यात्री के लिए एयरबैग के अनिवार्य प्रावधान को लागू किया है। इसके साथ ही कानूनों और प्रवर्तन में सुधार, ढांचागत परिवर्तनों के माध्यम से सड़कों को सुरक्षित बनाना और सभी वाहनों में जीवनरक्षक तकनीक उपलब्ध कराना जरूरी किया जाना चाहिए।

सड़क हादसों में कमी लाने के लिए जरूरी है कि लोगों के व्यवहार में परिवर्तन का प्रयास किया जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं इन्हीं कारणों से होती हैं। लोगों को शराब पीकर गाड़ी न चलाने के प्रति जागरूक करना होगा। वहीं दुर्घटना के बाद तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराना और पीड़ित को जल्द अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था करने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। दुर्घटना के बाद आस-पास खड़े लोग घायल की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सड़कों की योजना, डिजाइन और संचालन के दौरान सुरक्षा पर ध्यान देना सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को कम करने में प्रभावी योगदान दे सकता है। जब तक इन सुझावों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक सड़क दुर्घटनाओं को कम करना संभव नहीं होगा।

अमृतवाणी

पंचतंत्र का अमृत

ईरान के बादशाह खुसरो के प्रधानमंत्री बुर्जोई राज चिकित्सक भी थे। वह नई औषधियों पर शोध करते और उन पर लिखे ग्रंथ भी पढ़ते रहते थे। एक बार उन्हें पता लगा कि भारत में किसी पर्वत पर संजीवनी नाम की बूटी होती है, जिससे मृत व्यक्ति जीवित हो जाता है और स्वस्थ व्यक्ति यदि उसका सेवन कर ले तो वह हमेशा स्वस्थ और जवान बना रहता है। बुर्जोई यह सुनकर रोमांचित हो उठे। उन्होंने अपने बादशाह से भारत आने की इजाजत ली। वह भारत आए और संजीवनी बूटी की खोज में लग गए। वह अनेक पर्वतों और जंगलों में गए लेकिन कहीं भी उन्हें संजीवनी नजर नहीं आई। एक दिन वह एक पेड़ की छांव में आराम कर रहे थे, तभी एक पंडित जी वहां पहुंचे। वह बुर्जोई को देखकर बोले, 'आप परदेसी मालूम होते हैं।' बुर्जोई बोले, 'हां भई, मैं परदेसी ही हूं।' मैंने सुना है कि आपके यहां संजीवनी बूटी के रूप में अमृत मिलता है। मैंने यहां बहुत तलाश किया लेकिन वह बूटी मुझे कहीं नजर नहीं आई।' यह सुनकर पंडित जी मुस्कराने लगे और बोले, 'संजीवनी बूटी तो केवल हनुमान ही तलाश कर पाए थे। आज के समय में तो संजीवनी बूटी शायद न मिले लेकिन अमृत अवश्य मिल सकता है। हमारे यहां अमृत 'पंचतंत्र' नामक ग्रंथ में है। जो उस ग्रंथ को समझ-बूझ कर पढ़ लेता है, समझ लीजिए उसने अमृत ग्रहण कर लिया। वह ग्रंथ जीवन में अमृत घोल देता है और व्यक्ति जब तक जीवित रहता है सकारात्मक विचारों से भरा रहता है।' बुर्जोई पंडित जी की बात से प्रभावित हुए। वह पंचतंत्र की एक प्रति लेकर अपने देश लौट गए।

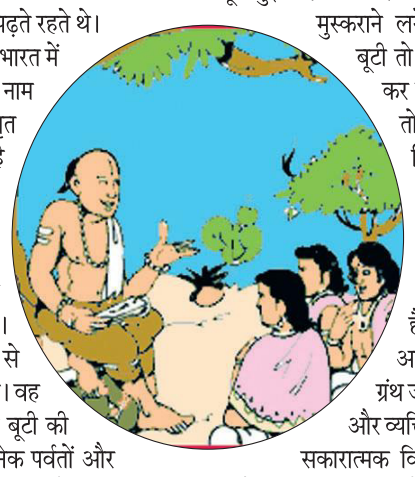

तीखी नजर

साहित्य समारोह में एक्सजोजर

जवाहर चौधरी

'देखिए मीडिया का मैं बड़ा रेस्पेक्ट करती हूं ये आप जानते हैं। आप लोगों के आगे मैं कभी कुछ नहीं छुपाया। तो ये मान कर चलिए कि आज भी कुछ नहीं छुपाऊंगी। कुछ लोग आए थे मेरे पास। बहुत रिक्वेस्ट किया, कुछ डील वील भी की। यू नो हम आर्टिस्ट लोगों के कुछ कमिटमेंट होते हैं, कुछ एथिक्स होते हैं, इसलिए हर जगह जाना पड़ता है। साहित्य का क्या मीनिंग है, यह मुझे नहीं मालूम। हां, साहित्य नाम का एक बॉयफ्रेंड जरूर था मेरा, लेकिन अब वह नहीं है, ब्रेकअप हो गया। और मुझे तो उन्होंने फेस्टिवल में बुलाया है, तो कुछ सोच समझ के ही बुलाया होगा। बोले कि वहां खूब एक्सपोजर मिलता है। आज के टाइम में एक्सपोजर कितना जरूरी है यह तो आप लोग जानते हैं। उन्होंने बताया कि तुम पहली उर्फी नहीं हो जो वहां शिरकत करोगी। उर्फी का मतलब क्या होता है यह तो आपको पता होगा। इसका मतलब है मशहूर। वैसे मैं पहले से मशहूर हूं। यह भी हो सकता है कि मेरे जाने से फेस्टिवल को एक्स्पोजर मिले। मेरे जैसे परसन को थोड़ी चैरिटी भी करना चाहिए। मेरी वजह से कोई चर्चा में आता है, उसके टिकट विकट बिक जाते हैं, कुछ कमाई हो जाती है तो इसमें बुराई क्या है।'

'मैडम आपको पता है साहित्य का मतलब कविता कहानी वगैरह होता है?', एक मीडिया पर्सन ने पूछ लिया।

'ऐसा क्या!! अच्छा!... हां पता है मेरे को। बहुत से पोएट्स को मैं जानती हूं। बहुत से तो मुझे देखकर ही कविता लिखते हैं। एक पोएट हैं, उनके रूम में मेरी बहुत सारी फोटो लगी हैं। बहुत लिखते हैं वो। अब देखिएगा, जब लोग मुझे लाइव देखेंगे तो सोचिए कितना लिखेंगे।'

'आप स्कूल गई हैं क्या कभी?', दूसरे मीडिया मैन ने पूछा।

'हां... जाती रहती हूं मैं। प्रोग्राम की सिलसिले में जाना पड़ता है। अभी पिछले महीने ही गई थी।'

'किसने बुलाया था आपको?'

'ऑबवियसली स्कूल वालों ने बुलाया था...और किसने बुलाया!!'

'अच्छा प्रिंसिपल ने बुलाया होगा?'

'नहीं...लड़कों ने बुलवाया था। फेयरवेल पार्टी थी सीनियरों की।'

'मैडम आप साहित्य समारोह में जाने वाली हैं। वहां आपको कुछ बोलना भी पड़ेगा। क्या बोलेंगी आप वहां?'

'डायलॉग दिए हैं उन्होंने। अभी प्रैक्टिस करना है मुझे। आपको तो पता है हमें डायलॉग ही बोलने पड़ते हैं। देखिए इंडस्ट्री में टिकना है तो चैलेंज लेना पड़ते हैं। एक आर्टिस्ट को अपना बेस्ट देने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।'

'मैडम क्या आपको पता है कि पिछले वर्षों में गुलजार साहब जावेद साहब जैसे बड़े गीतकार वहां शिरकत कर चुके हैं।'

'तभी मैं कहूं कि मुझे क्यों बुलाया है इन्होंने!! दोनों कितना लंबा लंबा कुर्ता पहनते हैं। भूल सुधार तो सबको करना पड़ता है ना।'

नजरिया

आजादी के आंदोलन में राजघरानों की भूमिका

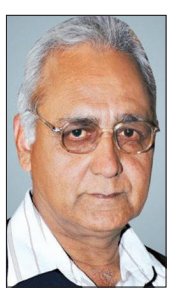

तनवीर जाफरी

आजादी का हमारा स्वाधीन एकीकृत भारत स्वतंत्रता पूर्व लगभग 565 राजघरानों अथवा रियासतों का देश हुआ करता था। इनमें विभिन्न धर्मों व जातियों के अनेक भारतीय राजा-महाराजा-नवाब आदि अपनी अलग-अलग रियासतों में राज किया करते थे। इनमें से कई राजघराने ऐसे थे, जिन्होंने अपनी रियासत को मुगलों, आक्रांताओं या अंग्रेजों की मातहती से बचाने के लिए उनसे संघर्ष किया। जबकि अधिकांश रियासतों के प्रमुख ऐसे थे, जिन्होंने या तो भयवश या लालच में आकर या फिर मौका परस्ती के चलते या तो अंग्रेजी हुकूमत के आगे घुटने टेक दिए। बताया जाता है कि ईस्ट इण्डिया कंपनी के माध्यम से जब धीरे-धीरे अंग्रेजों ने भारत में अपनी घुसपैठ शुरू की उस समय वे अपने साथ लाखों की फौज लेकर नहीं आए। बल्कि उन्होंने अपने सहयोगी के रूप में भारत के ही उन्हीं रियासत प्रमुखों यानी राजा महाराजाओं का इस्तेमाल किया। इसके अलावा चूंकि पराधीन भारत में रोजगार की भी भारी कमी थी, इसलिए पुलिस से लेकर सेना तक में अधिकांशतः भारतीयों की ही भर्ती की गई। इस तरह देश में ब्रिटिश काल में जहां भी आजादी के मतवालों या अन्य भारतीय नागरिकों पर जुल्म ढाया जाता था, इसके आदेश भले ही अंग्रेज अधिकारी देता था, परंतु घटना को अंजाम देने में अंग्रेजों का मातहत भारतीय ही अगुआकार की भूमिका निभाता था। इसी तरह अंग्रेजों के पिट्ठू व उनके रहम ओ करम पर अपनी रियासत चलने वाले तमाम रजवाड़े भी अंग्रेजों की खुशामद करने व उनके इशारे पर भारतीयों पर जुल्म करने में पेश-पेश रहा करते थे।

झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिनसे पता चलता है कि जब वह अपने मासूम बच्चे को अपनी पीठ पर बांध कर अंग्रेजों के खिलाफ युद्धरत थीं, उसी समय ग्वालियर का सिंधिया राजघराना उन्हीं अंग्रेजों की खुशामद परस्ती में व्यस्त था।

ठीक इसके विपरीत इन्हीं 565 राजघरानों में कुछ ऐसे राजा-महाराजा भी थे, जिन्होंने अपने व देश के स्वाभिमान से समझौता न करते हुए अंग्रेजों के सामने अपने घुटने नहीं टेके। हालांकि ऐसे कुछ राजघरानों को उसकी कीमत भी चुकानी पड़ी। निःसंदेह देश ऐसे बलिदानी राजघरानों के समक्ष आज भी नतमस्तक है तथा उनका नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। ऐसी ही एक शहीद वीरांगना का नाम था झांसी की रानी अथवा रानी लक्ष्मीबाई। रानी लक्ष्मीबाई ने 29 वर्ष की उम्र में 1857 की क्रान्ति में अंग्रेज साम्राज्य की सेना से युद्ध किया और रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुईं। आश्चर्य की बात तो यह है कि ब्रिटिश काल में जो राजघराने अंग्रेजों की खुशामद परस्ती में लगे रहते थे उन्हीं में अनेक राजघराने स्वतंत्रता के बाद भी यहां तक कि आजाद भारत में राज शाही की व्यवस्था समाप्त हो जाने के बावजूद आजतक न केवल सत्ता के केंद्र में बने रहने में सफल रहे हैं, बल्कि काफी हद तक अपना शाही रहन सहन व वैभव बरकरार रखने में भी कामयाब रहे हैं। और इससे भी बड़े आश्चर्य की बात तो यह है कि आज भी ऐसे राजघरानों के अंतर्गत रहने वाली जनता स्वयं को आजाद भारतीय नहीं बल्कि राजा की रियाया समझती है। मैंने स्वयं ऐसे अनेक राजघराने देखे हैं, जहां के लोग अपने राजा या राजकुमार को देवता तुल्य समझते हैं।

रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े कई ऐसे किस्से हैं, जिनसे पता चलता है कि जब वह अपने मासूम बच्चे को अपनी पीठ पर बांध कर अंग्रेजों के खिलाफ युद्धरत थीं, उसी समय ग्वालियर का सिंधिया राजघराना उन्हीं अंग्रेजों की खुशामद परस्ती में व्यस्त था। कुछ इतिहासकार तो यहां तक लिखते हैं कि 1857 के विद्रोह में जहां तात्या टोपे व नाना साहब के साथ झांसी की सेना के कई वीर सैनिकों ने अंग्रेजों से लोहा लिया, वहीं उसी दौर के ग्वालियर के महाराजा जयाजीराव सिंधिया पर यह आरोप लगता रहा है कि उन्होंने उस समय रानी लक्ष्मीबाई की बजाय अंग्रेजों का साथ दिया। प्रसिद्ध कवित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने झांसी की रानी पर लिखी अमर कविता में लिखा भी था - अंग्रेजों के मित्र सिंधिया ने छोड़ी राजधानी थी। बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी।। खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। सिंधिया परिवार पर अंग्रेजों का पिट्ठू होने का लेबल सिंधिया घराने के कांग्रेस के करीब होने के समय भाजपा के नेता लगाया करते थे, जबकि अब ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने पर यही इल्जाम कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों की तरफ से लगाया जा रहा है। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने परिवार पर अंग्रेजों का पिट्ठू होने के आरोप का खंडन करते रहे हैं।

गत वर्ष 1857 की क्रांति पर आधारित व इतिहासकार तेजिंदर वालिया द्वारा लिखित व संकलित एक पुस्तक 'अम्बाला की दास्तां 1857' की प्रस्तावना लिखने का मौका मिला। उस पुस्तक में उल्लिखित कई दस्तावेजों में चौंकाने वाली हकीकत सामने आई। ऐसे ही कुछ दस्तावेजों से पता चला कि जब ब्रिटिश अधिकारी पंजाब के इलाके में भारतीयों पर अत्याचार कर दिल्ली की तरफ कूच करते थे और उन्हें इस बात का डर सताता था कि कहीं रास्ते में आम जनता उन पर हमला न कर दे या कहीं सेना विद्रोह न कर दे तो ऐसे में वे अंग्रेज अधिकारी पटियला व जींद जैसे राजघरानों से अपनी सुरक्षा संबंधी सहायता लिया करते थे। इस सहायता में कभी पटियाला व जींद के महाराजा अपनी सेना व घुड़सवार भेजते तो जरूरत पड़ने पर कभी खुद भी हाजिर हो जाते। कितना आश्चर्य होता है कि इस तरह के दर्जनों राजघराने जो कल सत्ता सुख की खातिर अंग्रेज परस्ती में जीते थे, वे आज भी सत्ता की राजनीति करने में वैसे ही माहिर हैं। देश की भोली भाली जनता इन अंग्रेज परस्त राजघरानों को तब भी सम्मान देती थी जब वे अंग्रेजों से 'राय बहादुर' जैसी पदवियां व रियासत के विस्तार हेतु अधिक से अधिक इलाके हासिल करते थे और आज भी उन्हें वैसा ही सम्मान देती है।

सार संक्षेप

वीर चोटरानी ने कनाडा में जीता पीएसए चैलेंजर खिताब

नियाग्रा : भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी वीर चोटरानी ने स्क्वैश व्हाइट ओक्स कप के फाइनल में कनाडा के उच्च रैंकिंग वाले एस एल्टॉर्गमैन को सीधे सेट में हराकर खिताब अपने नाम किया। यह उनका पांचवां पीएसए खिताब है। पीएसए चैलेंजर टूर स्पर्धा में आठवीं वरीयता प्राप्त 23 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी चोटरानी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त कनाडा के एस एल्टॉर्गमैन को 3-0 (11-6, 11-2, 11-9) को हराया। वीर चोटरानी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए दो उच्च वरीयता प्राप्त स्क्वैश खिलाड़ियों को भी हराया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में इजरायल के डेनियल पोलेशचुक को 3-2 (11-5, 7-11, 7-11, 11-7, 11-1) से पराजित करने के बाद सेमीफाइनल में वेल्स के छठे वरीय ओवेन टेलर को 3-1 (11-8, 11-7, 6-11, 11-8) से हराया।

आज से देश में शुरु होगी विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप

नई दिल्ली : अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ और आईटीसी फूड्स के बेहद पसंदीदा स्नैकिंग ब्रांड बिंगो के सहयोग से 12 से 17 नवंबर तक भारत में पहली बार विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। विश्व में सबसे तेजी से उभरते खेलों में से एक पिकलबॉल के विकास और इसे बड़े पैमाने पर लोकप्रिय बनाने के लिए आईटीसी फूड्स के बेहद पसंदीदा स्नैकिंग ब्रांड बिंगो ने अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ के साथ पांच सालों की साझेदारी की घोषणा की है। बिंगो विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप (डब्ल्यूपीसी) की मेजबानी के साथ इस ऐतिहासिक साझेदारी की शुरुआत होगी। इस अवसर पर अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रभु ने कहा कि बिंगो स्नैक्स के साथ इस साझेदारी से हम बेहद उत्साहित महसूस कर रहे हैं। यह साझेदारी पिकलबॉल को भारतीय खेलों में सबसे आगे लाने में बेहद अहम भूमिका निभाएगी। इस साझेदारी के जरिए कॉलेज के छात्रों व्यापक प्रभाव पैदा करना है, ताकि पिकलबॉल को हर घर के लिए जाना-पहचाना नाम बनाया जा सके और वैश्विक पिकलबॉल के क्षेत्र में भारत को सबसे बड़ी ताकत के रूप में पहचान दिलाई जा सके। मैनेजिंग डायरेक्टर, कंटेंट, एंटरटेनमेंट एवं स्पोर्ट्स, ग्रुप-एम, दक्षिण एशिया विनीत कार्णिक ने कहा कि बिंगो और अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ के बीच पांच वर्ष की यह साझेदारी वाकई बेमिसाल है, जो पूरे भारत में इस खेल के विकास में सहायक है। हमे उम्मीद हैं कि इस साझेदारी से देश भर में खेल को अधिक सुलभ बनाने और इसके दायरे को बढ़ाने के लिए बिंगो के संकल्प को और मजबूती मिलेगी। दुनिया के 84 देशों में इस खेल के खिलाड़ियों की संख्या 50 लाख से अधिक है जिसमें महिलाओं की भागीदारी लगभग 40 प्रतिशत है।

242 किलोमीटर लंबी आरएमएस चौल अल्ट्रा मैराथन संपन्न

शिमला : राष्ट्रीय सैन्य स्कूल (आरएमएस) के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में 242 किलोमीटर लंबी अल्ट्रा मैराथन का समापन चौल में 7000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट मैदान पर हुआ। अल्ट्रा मैराथन पिछले गुरुवार को पंजाब के जालंधर से शुरू हुई थी-वह स्थान जहां इसे पहली बार 1925 में स्थापित किया गया था और हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के चौल में अपने वर्तमान स्थान तक पहुंची। जालंधर से यह बालाचौर, पिंजौर होते हुए सोलन पहुंची, जहां से इसे चौल के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल एचएन हांडा, (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि थे। चौल में धावकों का स्वागत करने वाले राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, चौल के प्रिंसिपल श्री विमल कुमार गंगवाल जैन ने अल्ट्रा रन के सफल समापन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह इस आयोजन से जुड़े सभी पूर्व छात्रों के लिए गर्व की बात है कि राजन सिह रघुवंशी (1998 पासआउट) की कप्तानी में अल्ट्रा-मैराथन पूरी हो गई है और दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट ग्राउंड पर औपचारिक रूप से इसका शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन स्कूल के पूर्व छात्रों ने जॉर्जियन एसोसिएशन (नार्थ) और जॉर्जियन एसोसिएशन (इंडिया) के सहयोग से किया था।

कोच गंभीर को उम्मीद, पहला टेस्ट खेलेंगे रोहित शर्मा

● नई दिल्ली,

भारतीय क्रिकेट टीम के प्रमुख कोच गौतम गंभीर को उम्मीद है कि कप्तान रोहित शर्मा पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं होता है उनके पास विकल्प भी हैं।

ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में गंभीर ने कहा कि अभी इसके बारे में कोई पुष्टि नहीं है कि वह (रोहित) उपलब्ध रहेंगे या नहीं। जैसे ही कोई अपडेट होगा, हम आपको परिस्थितियों के बारे में जानकारी दे देंगे। उम्मीद है कि वह (रोहित) उपलब्ध रहेंगे, लेकिब यह सब सीरीज के तुरंत पहले ही पता चल पाएगा। रोहित शर्मा के व्यक्तिगत कारणों से पर्थ टेस्ट में अनुपस्थित के सवाल पर गंभीर ने कहा कि हमारे पास अभिमन्यु ईश्वरन और केएल राहुल का विकल्प है। अगर रोहित उपलब्ध नहीं रहते हैं तो हम

टेस्ट मैच से पहले ही इस पर फैसला करेंगे। इसके अलावा शुभमन गिल भी एक विकल्प हैं। राहुल के

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट 22 नवंबर से शुरू होगा

बारे में गंभीर ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि आप अनुभवी खिलाड़ी के साथ जाते हो। राहुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो ओपनिंग, नंबर तीन और नंबर छह कहीं भी बल्लेबाजी कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए बहुत प्रतिभा की आवश्यकता होती है। अगर आवश्यकता हुई तो वह ओपनिंग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर रोहित नहीं खेलते है तो उपकप्तान जसप्रीत बुमराह ही टीम की कप्तानी करेंगे। पर्थ टेस्ट 22 नवंबर से शुरू हो रहा है। मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, शुभमन गिल, वाशिंगटन सुंदर और यशस्वी जायसवाल ऑस्ट्रेलिया के लिए रविवार को ही रवाना हुए। अन्य सदस्य आज रवाना होंगे।

महिला टीम का जीत से आगाज

संगीता ने किए दो गोल, भारत ने मलेशिया को 4-0 से हराया

● राजगिर,

भारतीय महिला हॉकी टीम ने मलेशिया को महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 हॉकी के पहले मैच में 4-0 से हराकर सोमवार को अपने अभियान का शानदार आगाज किया।

यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए संगीता कुमारी (8वें और 55वें मिनट में) ने दो जबकि प्रीति दुबे (43वें मिनट में) और उदिता (44वें मिनट में) ने एक-एक गोल किया। खेल की शुरुआत में ही मलेशिया की टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने शानदार खेल मुजाहिरा करते हुए उसे विफल कर दिया। इसके तुरंत बाद ही भारत ने भी अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर में से एक को गोल में तब्दील कर बढ़त बनाई। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए मैच का पहला गोल संगीता कुमारी ने खेल के आठवें मिनट में किया। पहले क्वार्टर में भारत ने 1-0 की बढ़त हासिल की। वहीं दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। विश्व रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज भारतीय महिला हॉकी टीम ने मैच के तीसके क्वार्टर में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत की ओर से दो लगातार गोल ने मलेशिया की टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। प्रीती दूबे ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत बढ़त को दोगुना किया। उसके बाद उदिता ने 44वें मिनट में गोल कर भारत की स्थिति को मजबूत कर दिया। खेल के तीसरे क्वार्टर में मलेशिया की टीम पूरी तरह से दबाव में नजर आई। मैच का आखिरी क्वार्टर भारतीय खिलाड़ी संगीता कुमारी ने मैदानी गोल किया। भारत ने इस मैच को एकतरफा 4-0 के स्कोर से अपने नाम कर लिया। भारत ने इस जीत के साथ तीन अंक हासिल किए और वह अंक तालिका पर चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। भारतीय महिला हॉकी टीम अपना अगला मैच मंगलवार को दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगी।

मेदवेदेव ने फ्रिट्ज से हारकर अपना रैकेट तोड़ा

● तूरिन (इटली),

रूस के दिग्गज खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स में टेलर फ्रिट्ज से हारने के बाद गुस्से में अपना रैकेट तोड़ दिया।

एटीपी फाइनल्स के पहले मुकाबले में अमेरिकी खिलाड़ी टेल फ्रिट्ज ने रूस के डेनियल मेदवेदेव को 6-4, 6-3 से हराया। हार के बाद मेदवेदेव ने पहले अपने रैकेट को बेंच पर और फिर हार्डकोर्ट पर मारकर उसे तोड़ दिया। मेदवेदेव को उनके व्यवहार के लिए चेयर अम्पायर से दो बार आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया। मैच

टेल फ्रिट्ज ने मेदवेदेव को 6-4, 6-3 से हराया

के बाद मेदवेदेव ने कहा कि मुझे गुस्सा आता है, निराशा होती है। इस बार मैं पूरी तरह से स्वयं पर गुस्सा हुआ किसी और पर नहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो तीन सालों से मुझे हर दिन दिन ऐसा ही लगता है कि हर अभ्यास एक संघर्ष है। हर मैच एक संघर्ष है। उन्होंने कहा कि अब मुझे कोर्ट पर होने में बिल्कुल भी आनंद नहीं आता।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को दिया 245 रनों का लक्ष्य

● शारजाह,

महमुदउल्लाह (98) और कप्तान मेहदी हसन मिराज (66) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर बांग्लादेश ने सोमवार को तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में अफगानिस्तान को जीत के लिए 245 रनों का लक्ष्य दिया है।

यहां टॉस जीतकर बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की तंजिद हसन और सौम्य सरकार की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 53 रन जोड़े। नौवें ओवर में ए ओमरजई ने सौम्य सरकार (24) को बोल्ड कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में मोहम्मद नबी ने तंजिद हसन (19) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। 11वें ओवर में जाकिर हसन (चार) रनआउट हुये। मेहदी हसन मिराज और मो. तौहीद हृदोय ने पारी को संभालने का प्रयास किया। लेकिन राशिद खान ने 15वें ओवर में मो. तौहीद हृदोय (सात) को आउट कर दिया। ऐसे संकट

के समय महमुदउल्लाह ने कप्तान के साथ पांचवें विकेट के लिये 145 की साझेदारी कर बंगलादेश की पारी में जान फूंकी। 46वें ओवर में ओमरजई ने मेहदी हसन मिराज (66) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद उन्होंने जाकेर अली(एक) और नासुम अहमद (5) को अपना शिकार बनाया। महमुदउल्लाह मैच की आखिरी गेंद पर रन लेने के प्रयास में रनआउट हुये।

गुजरात की लगातार सातवीं हार

प्रो कबड्डी लीग: पटना पाइरेट्स ने 13 अंक से हराया

नोएडा, ब्यूरो : गुजरात जाएंट्स को प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन में लगातार सातवीं हार का सामना करना पड़ा है। तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में सोमवार को खेले गए सीजन के 47वें मैच में गुजरात को -40-27 के अंतर से हरा दिया। इसी के साथ ही सीजन की पांचवीं जीत ने पटना को अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है।

पटना के लिए अयान ने 10 अंक लिए जबकि देवांक ने छह अंक जुटाए। संदीप ने भी पांच अंक का योगदान दिया। डिफेंस में दीपक ने चार और शुभम ने तीन अंक लिए। गुजरात के लिए गुमान सिंह ने पांच अंक जुटाए जबकि राकेश ने चार अंक लिए। डिफेंस में मोहित ने चार और जीतेंद्र ने तीन

अंक लिए। लगातार हार से हकलान गुजरात ने इस अहम मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए चार मिनट के भीतर 5-1 की लीड ले ली। पटना ने हालांकि वापसी की राह पकड़ी और सात मिनट की समाप्ति तक स्कोर 6-7 कर दिया। फिर अयान ने एक अद्भुत छलांग के साथ स्कोर बराबर कर दिया। गुजरात ने इसके बाद दो अंक की लीड ली लेकिन फिर पटना ने 10वें मिनट की समाप्ति तक स्कोर फिर से बराबर कर लिया। ब्रेक के बाद पटना ने पहली बार मैच में दो अंक लीड ली। अब गुजरात के लिए सुपर टैकल आन था और परतीक ने अयान को सुपर टैकल करते हुए स्कोर 11-11 कर दिया। इसके बाद देवांक की रेड पर दोनों टीमों को एक-ए अंक मिला।

बटलर ने खेली अर्धशतकीय पारी

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को सात विकेट से से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

● बारबाडोस,

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद जॉस बटलर (83) और विल जैक्स (38) की बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 मैच में वेस्टइंडीज को सात विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने पांच मैचों की सीरीज में 2-0 से बढ़त बना ली है।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर में फिल सॉल्ट (00) का विकेट गवां दिया। उन्हें अकील हुसैन ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान जॉस बटलर ने विल जैक्स के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट लिए 128 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने विल जैक्स को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। विल जैक्स ने 29 गेंदों में पांच चौके और एक छक्के की मदद से (38) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में शेफर्ड ने जॉस बटलर को भी आउट कर पवेलियन भेज दिया। बटलर ने 45

गेंदों में आठ चौके और छह छक्के लगाते हुए (83) रन बनाये। लियम लिविंगस्टन (23) और जेकब बेथेल (03) रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 14.5 ओवर में तीन विकेट पर 161 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। कप्तान जॉस बटलर को उनकी 83 रनों की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिये। अकील हुसैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले टॉस जीतकर इंग्लैंड ने गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 35 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। ब्रैंडन किंग (01),एविन लुइस (8) और रॉस्टन चेज (13) रन बनाकर आउट हुये। 11वें ओवर में लियम लिविंगस्टन ने निकोलस पूरन (14) को सॉल्ट के हाथों स्टंप आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। शरफन रदरफोर्ड (01) गुडाकेश मोती (09) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान रोवमन पॉवेल ने टीम के लिये 41 गेंदों में दो चौके और दो छक्कों की मदद से (43) रनों की पारी खेली।

रोमारियो शेफर्ड ने 12 गेंदों में (22) रन बनाये। मैथ्यू फोर्ड (13) और टिरेंस हाइंड्स (05) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 158 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से साकिब महमूद, लियम लिविंगस्टन और डैन माउजली ने दो-दो बल्लेबाज को आउट किया। आदिल रशीद और जोफ्रा आर्चर को एक-एक विकेट मिला।

डेविड वार्नर ने भारतीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया घूमने को किया आमंत्रित

● नई दिल्ली,

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी शुरु होने से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज डेविड वार्नर टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ भारतीय पर्यटकों को ऑस्ट्रेलिया घूमने लिए आमंत्रित किया है।

टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया द्वारा जारी एक नई सोशल कंटेंट सीरीज में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर वार्नर के अपने मनपसंद पर्यटक स्थल सिडनी, मेलबर्न और गोल्ड कोस्ट में छुट्टियां बिताने के उनके अनुभवों को साझा किया है। चार संस्करण की इस सीरीज को टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के इन्स्टाग्राम अकाउंट एट द रेट ऑस्ट्रेलिया पर दिखाया जाएगा। इसे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत के ठीक कुछ सप्ताह पहले भारत में लॉन्च किया गया है। वार्नर ने नई सोशल कंटेंट सीरीज पर टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग करने पर जारी बयान कहा कि हमारे अद्भुत वन्यजीवन से लेकर हमारी कॉफी संस्कृति और सिडनी ऑपेरा हाउस तथा मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड जैसे आइकॉन्स तक, ऑस्ट्रेलिया में भारतीय पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है। मैं अपने देश के बैकयार्ड्स को दिखाने का अवसर पाकर बहुत उत्साहित हूं। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया और भारत

के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में 22 नवंबर, 2024 से आरंभ होने जा रही है। टूरिज्म ऑस्ट्रेलिया की प्रबंध निदेशक, फिलिपा हैरिसन ने कहा कि हम पूरे भारत में क्रिकेट के दीवानों को एक हॉलिडे डेस्टिनेशन के रूप में ऑस्ट्रेलिया में उपलब्ध आकर्षणों के बारे में बताना चाहते हैं। इसके लिए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज का सहयोग लेना हमारे लिए बेहद खुशी की बात है। हैरिसन ने कहा कि इस वीडियो सीरीज में डेविड वार्नर ऑस्ट्रेलिया में अपने कुछ मनपसंद हॉलिडे डेस्टिनेशंस का आनंद उठाने के लिए हार्दिक स्वागत करते नजर आ रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)